

चाकसू में गूंजेंगे बजरंग बली के जयकारे, 13 को निकलेगी द्वितीय पदयात्रा



जूम न्यूज़ • चाकसू। कस्बे में भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। श्री वीर हनुमान मंदिर (पाल वाले बालाजी) मनोहरा तालाब, चाकसू के तत्वावधान में द्वितीय विशाल पदयात्रा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। 13 अक्टूबर, मंगलवार को सुबह 9:30 बजे ये विशाल पदयात्रा चतुर्भुज जी मंदिर से रवाना होगी। पदयात्रा खाना होकर मुख्य बाजार होते हुए श्री वीर हनुमान मंदिर (पाल वाले बालाजी) मनोहरा तालाब के लिए प्रस्थान करेगी। पदयात्रा को लेकर युवाओं में खासा उत्साह है। जगह-जगह पुष्प वर्षा और भजन-कीर्तन के साथ बालाजी के भक्तों का स्वागत किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि यह पदयात्रा हिंदू सनातन धर्म को बढ़ावा देने और युवाओं को धर्म से जोड़ने के उद्देश्य से निकाली जा रही है। आयोजन की तैयारियों में टिकू गौतम, राजेन्द्र नामा, उमेश तिवাড়ि और कुंज बिहारी सहित पूरी आयोजन समिति जुटी हुई है। समिति ने अधिक से अधिक संख्या में धर्म प्रेमियों से पदयात्रा में शामिल होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।



बीफ न्यूज़

मेहरासर चाचेरा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय को मामाशाह प्रदीप सराफ ने भेंट किया स्मार्ट बोर्ड



जूम न्यूज़ • सरदारशहर

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मेहरासर चाचेरा में विद्यार्थियों को आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में सराहनीय पहल की गई है। राजीव उपाध्याय की प्रेरणा से भामाशाह प्रदीप जी सराफ द्वारा विद्यालय को स्मार्ट बोर्ड भेंट किया गया। इस सहयोग से विद्यालय में डिजिटल माध्यम से शिक्षण कार्य को बढ़ावा मिलेगा तथा विद्यार्थियों को विषयों को समझने में अधिक सुविधा होगी। स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से विद्यार्थी विभिन्न विषयों की पढ़ाई को चित्रों, वीडियो और डिजिटल प्रस्तुतियों के जरिए अधिक सरल एवं रोचक ढंग से समझ सकेंगे। आधुनिक तकनीक से शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावी बनाने में यह पहल महत्वपूर्ण साबित होगी।

विद्यालय में इस सुविधा के उपलब्ध होने से शिक्षकों को भी कक्षा में पढ़ाई को अधिक आकर्षक और उपयोगी बनाने में सहायता मिलेगी। विद्यालय परिवार ने इस पुनीत कार्य के लिए भामाशाह प्रदीप जी सराफ एवं राजीव उपाध्याय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में समाज के भामाशाहों का सहयोग विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विद्यालय परिवार ने इस सहयोग को विद्यार्थियों की शैक्षणिक उन्नति की दिशा में एक सराहनीय कदम बताते हुए सहयोगकर्ताओं के प्रति धन्यवाद एवं साधुवाद प्रकट किया।

बीकानेर फुटबॉल क्लब ने 4-0 से जीता जिला फुटबॉल चैंपियनशिप का खिताब



जूम न्यूज़ • बीकानेर

चैन सिंह स्टेडियम में जिला फुटबॉल संघ के तत्वावधान में आयोजित सीनियर डिस्ट्रिक्ट फुटबॉल चैंपियनशिप 2026-27 के फाइनल में बीकानेर फुटबॉल क्लब ने करणी क्लब को 4-0 से हराकर खिताब जीत लिया। विजेता टीम की ओर से कार्तिकेय पालीवाल, आशीष, आवेश और यशवर्द्धन राजपुरोहित ने एक-एक गोल किया। प्रतियोगिता में हर्षित सिंह राजवी को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट, राहुल ओझा को बेस्ट गोलकीपर, करणी क्लब के ओमप्रकाश को बेस्ट डिफेंडर और अभिषेक सिंह को बेस्ट स्ट्राइकर चुना गया। प्रवीण चौधरी को बेस्ट मिडफील्डर तथा कार्तिकेय पालीवाल को बेस्ट स्कोरर का पुरस्कार मिला। समापन समारोह में पूर्व भारतीय फुटबॉल कप्तान एवं अजुन अवॉर्ड मगन सिंह राजवी सहित खेल जगत की कई हस्तियां मौजूद रही। अतिथियों ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी व पदक प्रदान किए।

झुंझुनूं: पूर्व सैनिक ने हैडकांस्टेबल पर लगाया मारपीट का आरोप

झुंझुनूं। पूर्व सैनिक मेहाबत सिंह ने एसपी को जापन देकर सिंधाना थाने के हैडकांस्टेबल कुलदीप सिंह पर थाने में मारपीट करने का आरोप लगाया है। जापन में बताया कि उसे गांव के विनोद ने फोन कर जान से मारने की धमकी दी थी। वह रिपोर्ट लेकर एफआईआर दर्ज कराने सिंधाना थाने में गया, जहां परिवार शाखा में हैड कान्स्टेबल कुलदीप सिंह को रिपोर्ट देकर घटना की जानकारी दी, लेकिन उसने परिवार को एक तरफ रख दिया और उसे बैठा कर बाहर चला गया।

‘खेलो राजस्थान’ में 12 खेल, लेकिन हॉकी गायब! आखिर क्यों नजरअंदाज हुई देश की गौरवशाली खेल विरासत?

हॉकी राजस्थान के अध्यक्ष महिपाल सिंह निंबाड़ा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को लिखा पत्र



जूम न्यूज़ • जयपुर

राजस्थान में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार बड़े स्तर पर ‘खेलो राजस्थान’ का आयोजन करने जा रही है। सरकार का नारा है—‘हर गांव, हर खेल, हर खिलाड़ी।’ लेकिन सवाल उठ रहा है कि जब हर खेल और हर खिलाड़ी को अवसर देने की बात की जा रही है, तो भारत को ओलंपिक में कई स्वर्ण पदक दिलाने वाला हॉकी जैसा खेल इस आयोजन से बाहर क्यों है? सरकार ने प्रतियोगिता के लिए 12 खेलों को चुना है, लेकिन इनमें हॉकी को जगह नहीं मिली है। अब इस फैसले पर हॉकी राजस्थान ने आपत्ति जताते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से हस्तक्षेप की मांग की है।

तीन चरणों में 12 खेलों का आयोजन

राजस्थान सरकार के आधिकारिक ‘खेलो राजस्थान’ पोर्टल और कार्यक्रम के बोशर के अनुसार प्रतियोगिताएं तीन चरणों में आयोजित की जाएंगी। पहले चरण में वॉलीबॉल, एथलेटिक्स,

रस्साकशी और तीरंदाजी को शामिल किया गया है। दूसरे चरण में कबड्डी, फुटबॉल, जूडो और निशानेबाजी की प्रतियोगिताएं प्रस्तावित हैं। तीसरे चरण में खो-खो, कुश्ती, बास्केटबॉल और सतोलिया को स्थान मिला है। हैरानी की बात यह है कि इन 12 खेलों में हॉकी शामिल नहीं है। पहले चरण की प्रतियोगिताएं एक दिसंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक प्रस्तावित हैं। खिलाड़ियों के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। सरकार के आधिकारिक बोशर में खेलो राजस्थान के माध्यम से करीब 70 लाख प्रदेशवासियों की सहभागिता की परिकल्पना की गई है। गांवों से लेकर राज्य स्तर तक प्रतियोगिताओं का ढांचा तैयार किया गया है। ऐसे में सवाल है कि इतने व्यापक खेल आयोजन में हॉकी को जगह क्यों नहीं मिली?

मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर जताई आपत्ति

हॉकी राजस्थान के अध्यक्ष महिपाल सिंह निंबाड़ा ने 9 अक्टूबर को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर इस फैसले पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार की ओर से खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और युवाओं में खेल संस्कृति विकसित करने का प्रयास सराहनीय है, लेकिन इतने महत्वपूर्ण आयोजन में हॉकी



जैसे गौरवशाली खेल को शामिल नहीं करना चिंताजनक है। हॉकी राजस्थान की ओर से जारी प्रेस नोट के अनुसार मुख्यमंत्री के साथ खेल मंत्री और संबंधित खेल अधिकारियों को भी ई-मेल भेजकर हॉकी को प्रतियोगिता में शामिल करने की मांग की गई है। निंबाड़ा का कहना है कि हॉकी भारत की खेल विरासत, राष्ट्रीय गौरव और अंतरराष्ट्रीय पहचान का अभिन्न हिस्सा रही है। प्रदेश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में हॉकी खेलने वाले युवाओं को भी इस आयोजन के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलना चाहिए।

मेजर ध्यानचंद की विरासत का हवाला

मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में महिपाल सिंह निंबाड़ा ने महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के योगदान का उल्लेख किया है। उन्होंने याद दिलाया कि ध्यानचंद की जयंती पर प्रत्येक वर्ष 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता



है। भारतीय हॉकी का इतिहास अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों से भरा रहा है। ओलंपिक में भारत की शुरुआती खेल सफलताओं में हॉकी का विशेष योगदान रहा है। ऐसे में प्रदेश की नई पीढ़ी को इस खेल से जोड़ना और नई प्रतिभाओं की पहचान करना महत्वपूर्ण है। निंबाड़ा का कहना है कि खेलो राजस्थान में हॉकी प्रतियोगिताएं आयोजित होने से खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों की उन प्रतिभाओं को अवसर मिलेगा, जिनके पास बड़े स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के सीमित साधन हैं।

आखिर हॉकी को बाहर रखने का आधार क्या है?

इस पूरे मामले में सबसे महत्वपूर्ण सवाल खेलों के चयन की प्रक्रिया का है। सरकार ने कबड्डी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, कुश्ती और दूसरे खेलों को शामिल किया है। पारंपरिक खेल सतोलिया और रस्साकशी को भी जगह दी गई है। यह फैसला खेलों में विविधता को प्रोत्साहित करने

के लिहाज से महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन हॉकी को शामिल नहीं करने का कारण स्पष्ट नहीं है। क्या खेलों का चयन उपलब्ध मैदानों और संसाधनों के आधार पर किया गया है? क्या आयोजन के बजट या तकनीकी व्यवस्थाओं के कारण हॉकी को स्थान नहीं मिला? क्या भविष्य में हॉकी को शामिल करने की कोई योजना है? ये सवाल इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि सरकार के उपलब्ध आधिकारिक दस्तावेजों में हॉकी को बाहर रखने का स्पष्ट कारण सामने नहीं आता। आयोजन के लिए सुविधाएं और संसाधन जुटाना प्रशासनिक चुनौती हो सकती है, लेकिन इसे हॉकी के बाहर रहने का वास्तविक कारण नहीं माना जा सकता, जब तक सरकार ऐसा स्पष्ट नहीं करती।

खेल मंत्री व खेल विभाग के सामने भी सवाल

राजस्थान में खेलों को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी युवा मामले एवं खेल विभाग और राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की है। खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ स्वयं ओलंपिक पदक विजेता रहे हैं। ऐसे में हॉकी राजस्थान की आपत्ति के बाद खेल विभाग से यह अपेक्षा भी बढ़ी है कि वह खेलों के चयन का आधार स्पष्ट करे। यह मामला केवल एक खेल को प्रतियोगिता में शामिल करने का नहीं है। सवाल उस नीति का भी है जिसके आधार पर सरकार प्रदेश

के खिलाड़ियों के लिए प्रतिस्पर्धा के अवसर निर्धारित कर रही है। खेलो राजस्थान का उद्देश्य गांवों और शहरों से नई प्रतिभाओं को तलाशना है। ऐसे में किसी स्थापित खेल को सूची से बाहर रखने के पीछे ठोस कारण होना चाहिए और खिलाड़ियों को उसकी जानकारी भी मिलनी चाहिए।

अब मुख्यमंत्री के फैसले पर नजर

हॉकी राजस्थान ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से आग्रह किया है कि खिलाड़ियों के हित, मेजर ध्यानचंद की गौरवशाली विरासत और प्रदेश में हॉकी के विकास को ध्यान में रखते हुए संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश दिए जाएं। फिलहाल उपलब्ध आधिकारिक खेल सूची में हॉकी का नाम नहीं है। हालांकि, इससे यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि भविष्य में उसे शामिल करने की कोई संभावना नहीं है। राज्य सरकार आयोजन के नियमों और खेल सूची में संशोधन कर सकती है। अब देखना यह होगा कि सरकार हॉकी राजस्थान की मांग स्वीकार करती है या खेल को बाहर रखने का कारण स्पष्ट करती है। क्योंकि खेलो राजस्थान का नारा जब ‘हर गांव, हर खेल, हर खिलाड़ी’ है, तो सवाल भी स्वाभाविक है—इसमें हॉकी के खिलाड़ियों की जगह कहाँ है?

नवरात्र दशहरा व दीपोत्सव को लेकर बैठक आयोजन

जूम न्यूज़ • गाउँट आबू

आगामी दिनों में आने वाले नवरात्र दशहरा व दीपावली पर्व को देखते हुए एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन नगर पालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य की अध्यक्षता में महात्मा गांधी पुस्तकालय में किया गया। इस बैठक में शहर के सौंदर्यकरण को लेकर के विस्तृत रूप से चर्चा की गयी। इस बार दीपावली पर्व पर आने वाले भारी मात्रा में पर्यटकों को किसी प्रकार की या असुविधा नहीं हो पाकिंग को लेकर के उन्हें किसी बहुत बड़ी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। इसके लिए पोलो ग्राउंड के दोनों ओर पाकिंग होगी साथ ही वन वे का भी एक रुट बनाया जाएगा जिससे अनावश्यक रूप से सैलानियों को भी भटकना नहीं पड़े। इसके अलावा दीपावली पर वह पर पूरे शहर को पेट्रोल पंप से लेकर नक्की झील तक आकर्षक लाइटों से सजाया जाएगा जिसमें स्थानीय लोगों से भी व मार्केट यूनिटन से भी बातचीत कर भव्यता से लाइटिंग की जाएगी।

आगे नक्की झील के सौंदर्यकरण को लेकर के बी के हरीश को पुनः नक्की झील के चारों ओर पेड़ पौधे लगाने व उसकी सौन्दर्यकरण मेंटेनेंस के लिए बांड एंसेसडर नियुक्त किया गया है। इसके अलावा उदयपुर फतहसागर की तर्ज पर अब नक्की झील के चारों ओर स्ट्रीट लाइट भी लगाई जाएगी जो एक तरफ तो मार्ग पर भी होगी दूसरी तरफ पानी में उसका रिफ्लेक्शन अलग ही दिखाई देगा। नक्की झील पर ही भंगार पड़े दातड़ा सी वर्ल्ड को अब पूरी तरह तोड़कर उसकी जगह पर कुछ योग्य उपयुक्त कार्य के लिए चुना जाएगा जिसकी योजना आगामी दिनों में बनाई जाएगी। विवेकानंद मार्ग के लिए अब एसडीएम ऑफिस से विवेकानंद पार्क तक आने वाले मार्ग का नाम विवेकानंद पार्क रखा जाएगा। नक्की झील के चारों ओर बने हुए बाग बगीचों की साफ सफाई करते हुए उनमें लगे हुए फव्वारे जेट फव्वारे व अन्य गार्डन जाएगा। पालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य के अनुसार शहर में साफ सफाई के लिए आवश्यक संसाधनों की अगर जरूरत पड़ेगी तो उसे कॉन्ट्रैक्ट पर भी हम उसे किसी ठेकेदार को दे सकते हैं।

जेएनवीयू अंतर-महाविद्यालय हॉकी प्रतियोगिता में पीपाड़ विजेता



जूम न्यूज़ • पीपाड़ सिटी
जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय (जेएनवीयू), जोधपुर की अंतर-महाविद्यालय हॉकी प्रतियोगिता में श्रीमती सीता देवी चुन्नीलाल बरडिया राजकीय कन्या महाविद्यालय, पीपाड़ सिटी की

राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल डिगरना में मनाया अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस



जूम न्यूज़ • जैतारण

राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल डिगरना में शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर छात्रा परी रॉयल को प्राचार्य पद का दायित्व सौंपा गया। साथ ही, विद्यालय का संचालन भी छात्राओं द्वारा किया गया विद्यालय के प्राचार्य सुरेश कुमार उपाध्याय ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में नेतृत्व क्षमता, कर्तव्य भावना, आपसी सहयोग तथा जिम्मेदारी की भावना का विकास करना है। इस प्रकार के आयोजनों से छात्राओं को निर्णय लेने, कार्यों का कुशलतापूर्वक संचालन करने तथा अपने दायित्वों को समझने का अवसर मिलता है उन्होंने कहा कि बालिकाओं को समान अवसर प्रदान करना तथा उनमें आत्मविश्वास और नेतृत्व के गुण विकसित करना आवश्यक है ऐसे कार्यक्रम बालिकाओं को भविष्य में विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा और क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हैं।

कन्या महाविद्यालय में छात्राओं को सिखाए आत्मरक्षा के गुर



जूम न्यूज़ • पीपाड़ शहर

श्रीमती सीतादेवी चुन्नीलाल बरडिया राजकीय कन्या महाविद्यालय, पीपाड़ शहर में संचालित रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण केंद्र पर शनिवार को छात्राओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। जोधपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक पंकज यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामेश्वर लाल के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत महिला कांस्टेबल एवं प्रशिक्षक डेलु ने छात्राओं को आत्मरक्षा के विभिन्न गुर सिखाए। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को विपरीत परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा करने के तरीकों की जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें सतर्क रहने, संकट की स्थिति में सूझबूझ से काम लेने तथा अपने आत्मविश्वास को मजबूत बनाने के लिए प्रेरित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य छात्राओं में आत्मनिर्भरता और सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की जिला महिला उपाध्यक्ष सरिता चौधरी सहित महाविद्यालय की बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही।

महानिरीक्षक विकास कुमार की मेहनत रंग लाई, एक साल से नशा अपराधियों में खौफ, शतक से भी आगे बढी कामयाबी, ANTF ने दबोचा धोरीमन्ना के तस्क़र को

जूम न्यूज़ • वाडमेर

राजस्थान पुलिस की एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए छह साल से फरार चल रहे 75 हजार रुपये के इनामी आरोपी सोहनलाल को गिरफ्तार किया है। आरोपी को नेपाल से अपने नेटवर्क के जरिए बिहार के रक्सौल बॉर्डर तक पहुंचने के दौरान दबोचा गया। पुलिस के अनुसार आरोपी लंबे समय से गिरफ्तारी से बचने के लिए नेपाल में छिपकर रह रहा था और वहीं से अपने तस्करी नेटवर्क को संचालित कर रहा था। ANTF महानिरीक्षक पुलिस विकास कुमार ने बताया कि



पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा और अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एमएन के मार्गदर्शन में फरार तस्करो की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत सोहनलाल को गिरफ्तार करने में सफलता मिली।

महिला हॉकी टीम ने 9 अक्टूबर को विजेता बनकर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। टीम की इस उपलब्धि पर शनिवार को

विवादों का अंत समझौते से हो तब हार किसी की नहीं, बल्कि जीत न्याय की होती है: मुख्य न्यायाधिपति अग्रवाल

राष्ट्रीय लोक अदालत में 205 प्रकरणों का निस्तारण

जूम न्यूज़ • जोधपुर

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार एवं माननीय कार्यकारी अध्यक्ष, राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सानिध्य में इस वर्ष की तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ दिनांक 10-10-2026 द्वितीय शनिवार को राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर मुख्य पीठ में माननीय मुख्य न्यायाधिपति महोदय श्री संजय के अग्रवाल साहब ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

मुख्य न्यायाधीश श्री अग्रवाल ने उन्होंने अपने उद्घोषण में कहा कि जब विवादों का अंत आपसी समझ और समझौते से होता है तो हार किसी की नहीं बल्कि जीत न्याय की ही होती है। लोक अदालत इसी भावना को परिलक्षित करती है। यह विवादों के निस्तारण का मात्र एक संस्थागत माध्यम नहीं, बल्कि आमजन तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करने का एक संवेदनशील, सार्थक एवं मानवीय

पीपाड़ शहर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन, 529 प्रकरणों का हुआ निस्तारण

सुलह और समझाइश के जरिए मामलों का निपटारा, न्यायालयों में पक्षकारों को मिली राहत

जूम न्यूज़ • पीपाड़ शहर

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जोधपुर जिला के निर्देशानुसार शनिवार को पीपाड़ शहर के न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसमें राजीनामा योग्य तथा प्री-लिटिगेशन मामलों का सुलह और समझाइश के माध्यम से निस्तारण किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत के

आरोपी की गिरफ्तारी पर 75 हजार रुपये का इनाम घोषित था। 2016 से अवैध शराब तस्करी में सक्रिय

पुलिस के अनुसार आरोपी सोहनलाल ने 12वीं तक पढ़ाई करने के बाद गलत संगति में पड़कर शराब पीना शुरू कर दिया। इसके बाद वर्ष 2016 से अवैध शराब की तस्करी में शामिल हो गया। बालोतरा क्षेत्र में उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत दो मामले दर्ज हुए। शुरुआती दौर में वह धोरीमन्ना क्षेत्र में अवैध शराब की तस्करी करता था। एक मामले में गिरफ्तारी के बाद उसे करीब 30 दिन तक बाड़मेर जेल में रहना



संकाय सदस्यों ने विजेता छात्राओं का माला एवं साफा पहनाकर स्वागत और सम्मान किया। इस सफलता में टीम के कोच पाबूराम

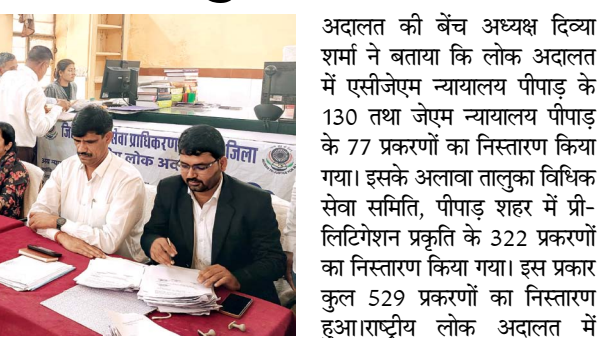
विवादों का अंत समझौते से हो तब हार किसी की नहीं, बल्कि जीत न्याय की होती है: मुख्य न्यायाधिपति अग्रवाल

राष्ट्रीय लोक अदालत में 205 प्रकरणों का निस्तारण



प्रयास है। इसका वास्तविक उद्देश्य केवल विवादों का निस्तारण करना नहीं, बल्कि न्याय की अपेक्षा रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में राहत, संतोष और विश्वास का संचार करते हुए उसे एक नई शुरुआत का अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि कोई भी प्रकरण न्यायिक अभिलेखों में भले ही महज एक संख्या के रूप में दर्ज हो, किंतु उसके पीछे

पीपाड़ शहर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन, 529 प्रकरणों का हुआ निस्तारण



तहत एसीजेएम न्यायालय पीपाड़ एवं जेएम न्यायालय पीपाड़ में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों तथा प्री-लिटिगेशन मामलों के निस्तारण के लिए गठित बेंच में न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती दिव्या शर्मा अध्यक्ष तथा पैनल

अधिवक्ता सीताराम टाक सदस्य के रूप में उपस्थित रहे। वहीं, राजस्व प्रकरणों के निस्तारण के लिए गठित बेंच में दिव्या शर्मा अध्यक्ष एवं उपखंड मजिस्ट्रेट पीपाड़ शहर नेमराम रॉयल सदस्य के रूप में मौजूद रहे। राष्ट्रीय लोक

काम करता था, लेकिन मुनाफे के बंटवारे को लेकर उसने अपना अलग नेटवर्क खड़ा कर लिया। जांच के अनुसार आरोपी मध्यप्रदेश, राजस्थान के चित्तौड़गढ़, उदयपुर और भीलवाड़ा सहित विभिन्न क्षेत्रों से डोडा-पोस्ट जुटाकर मारवाड़ और पंजाब के तस्करो तक माल पहुंचाता था। शुरुआत में वह बाड़मेर के तस्करो के साथ मिलकर काम करता था, लेकिन मुनाफे के बंटवारे को लेकर उसने अपना अलग नेटवर्क खड़ा कर लिया। वर्ष 2020 में जालोर जिले के चितलवाना थाने में NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज होने के बाद वह फरार हो गया। गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने राजस्थान छोड़ दिया और मुंबई,



विशनों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण से खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस अवसर

विवादों का अंत समझौते से हो तब हार किसी की नहीं, बल्कि जीत न्याय की होती है: मुख्य न्यायाधिपति अग्रवाल

राष्ट्रीय लोक अदालत में 205 प्रकरणों का निस्तारण

केवल आशा की नई किरण प्रदान करती है बल्कि जनअपेक्षाओं के अनुरूप भी है। पिछली लोक अदालत की तुलना में इस राष्ट्रीय लोक अदालत से मेरी उम्मीद और अपेक्षाएँ अधिक हैं। आज के आयोजन के लिए जिस व्यापक स्तर पर सहभागिता सुनिश्चित की गई है तथा सुनियोजित ढंग से तैयारियों की गई हैं, वे यह दर्शाती हैं कि हम इस बार और भी बेहतर परिणाम प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर हैं। इस अवसर पर माननीय न्यायाधिपति श्री विनीत कुमार माथुर, प्रशासनिक न्यायाधीश व कार्यकारी अध्यक्ष, राज. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण व श्री अरुण मोंगा, न्यायाधिपति एवं अध्यक्ष राजस्थान उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति, जोधपुर व माननीय राज. उच्च न्यायालय के समस्त न्यायाधिपतिगण, रजिस्ट्रार जनरल श्री चंचल मिश्रा सहित रजिस्ट्री के समस्त अधिकारीगण व श्री हरिओम शर्मा अत्री, सदस्य सचिव राज. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर भी उपस्थित रहे।

पंचायत चुनाव प्रत्याशियों को नामांकन प्रक्रिया का प्रशिक्षण आज

जूम न्यूज़ • पाली

पंचायती राज आम चुनाव 2026 को लेकर निर्वाचन विभाग की ओर से चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों की सुविधा के लिए रविवार को आयोजित होने वाले प्रबोधन प्रशिक्षण शिविर की तैयारियों को शनिवार को अंतिम रूप दिया गया। शिविर में ब्लॉक लेवल मास्टर ट्रेनर (बीएनएमटी) द्वारा विभिन्न पदों के लिए चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों को निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारीयां विस्तार से दी जाएगी।

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (पंचायत चुनाव) एवं उपखंड अधिकारी पाली विमलेन्द्र सिंह राणावत ने बताया कि पाली पंचायत समिति परिसर में रविवार को प्रातः 11 बजे प्रबोधन प्रशिक्षण

शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में ब्लॉक लेवल मास्टर ट्रेनर परमेश्वर उपाध्याय, राजेन्द्र सिंह, लक्ष्मणराम एवं मुकेश जागरीवाल प्रत्याशियों को नामांकन प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं के बारे में प्रशिक्षित करेंगे।

नामांकन से जुड़े प्रावधानों की मिलेगी जानकारी - प्रशिक्षण शिविर में प्रत्याशियों को नामांकन पत्र भरने की प्रक्रिया, नामांकन के साथ प्रस्तुत किए जाने वाले आवश्यक दस्तावेजों, विभिन्न प्रकार के प्रपत्रों को भरने के तरीके तथा निर्वाचन से संबंधित महत्वपूर्ण नियमों और प्रावधानों की जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही चुनाव लड़ने के लिए निर्धारित योग्यता एवं अयोग्यता, निर्वाचन क्षेत्राधिकार सहित अन्य आवश्यक बिंदुओं पर भी विस्तार से मार्गदर्शन किया जाएगा।



गीतांजलि स्कूल में विधिक साक्षरता शिविर: विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य, कानूनी प्रावधानों और टेली-मानस हेल्पलाइन की दी जानकारी



जूम न्यूज़ • चूरू
जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस-2026 के उपलक्ष्य में स्थानीय गीतांजलि

पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कक्षा 8 से 12 तक के 250 से अधिक विद्यार्थियों एवं अध्यापकों ने भाग

लिया और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया। विद्यालय के चेयरमैन दामोदर गौतम ने कहा कि जीवन में सफलता के लिए शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक रूप से स्वस्थ रहना भी जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को तनावमुक्त रहकर पढ़ाई करने और अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों को सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। विद्यालय के निदेशक गौरव गौतम ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को वर्तमान समय की महत्वपूर्ण

आवश्यकता बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को मानसिक परेशानी, तनाव और उदासी जैसी स्थितियों को नजरअंदाज नहीं करने तथा जरूरत पड़ने पर परिवार, शिक्षकों या विशेषज्ञों से सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। शिविर में विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कानूनी प्रावधानों और टेली-मानस हेल्पलाइन के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति समझ विकसित करना, तनाव प्रबंधन के लिए जागरूक करना तथा जरूरत के समय उचित सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित करना रहा।

बीफ न्यूज़

किसान परिवार के बेटे मनीष गहलोत ने रचा इतिहास, जैतारण से राजस्थान सीनियर हॉकी टीम तक बनाया सफर

जूम न्यूज़ • जैतारण

जैतारण के किसान परिवार से निकलकर हॉकी के मैदान में अपनी मेहनत, लगन और समर्पण के दम पर मनीष गहलोत ने जिले से लेकर राजस्थान तक अपनी पहचान बनाई है। जैतारण शहर निवासी मनीष गहलोत पुत्र श्यामलाल गहलोत का उत्तर प्रदेश के झांसी में आयोजित होने जा रही हॉकी इंडिया की 16वीं सीनियर नेशनल पुरुष हॉकी प्रतियोगिता के लिए राजस्थान सीनियर पुरुष हॉकी टीम में चयन हुआ है। मनीष गहलोत के चयन से जैतारण सहित पूरे व्यावर जिले के खेलप्रेमियों में खुशी की लहर है। उनकी इस उपलब्धि को जैतारण के लिए गौरव का क्षण माना जा रहा है।

मनीष गहलोत ने वर्ष 2017 में पहली बार जैतारण हॉकी ग्राउंड से हॉकी हाथ में लेकर अपने खेल सफर की शुरुआत की थी। शुरुआती दौर से ही उन्होंने लगातार मेहनत करते हुए अपने खेल को निखारा। उनके हॉकी सफर में कोच मनीष शर्मा का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन और सानिध्य रहा। करीब नौ वर्षों की कड़ी मेहनत के बाद वर्ष 2026 में मनीष गहलोत ने राजस्थान सीनियर टीम में स्थान बनाकर महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किया जैतारण में हॉकी को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने में कैबिनेट मंत्री एवं जैतारण विधायक श्री अविनाश जी गहलोत की भूमिका भी उल्लेखनीय रही है गहलोत द्वारा लगातार हॉकी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने, उन्हें प्रोत्साहित करने तथा क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के प्रयासों से खिलाड़ियों में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार हुआ है। जैतारण में हॉकी के लिए बेहतर सुविधाओं एवं खेल वातावरण को विकसित करने की दिशा में भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं किसान परिवार से निकलकर राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करने तक मनीष गहलोत का यह सफर क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी है। उनकी सफलता ने साबित किया है कि प्रतिभा, निरंतर अभ्यास, समर्पण और सही मार्गदर्शन के साथ छोटे शहरों के खिलाड़ी भी बड़े मुकाम हासिल कर सकते हैं मनीष गहलोत के राजस्थान सीनियर टीम में चयन पर परिजनों, कोच, खेलप्रेमियों, हॉकी खिलाड़ियों एवं जैतारणवासियों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी है।

सोशल मीडिया पर डमी हथियार के साथ वीडियो डाला, गिरफ्तार अभियुक्त जितेन्द्रसिंह ने आमजन में स्वयं का भय उत्पन्न करने के लिये डमी हथियार के साथ इंस्टाग्राम पर अपलोड किया था वीडियो

जूम न्यूज़ • जोधपुर

पुलिस मुख्यालय द्वारा पंचायतिराज चुनावों के मध्यनजर राज्यभर में चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत जिला पुलिस अधीक्षक पंकज के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामेश्वर कड़ेल के निकट सुपरविजन में डीएसटी प्रभारी शंकर कड़वा को चुनावों के दौरान आमजन में भय उत्पन्न करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। जिस पर दिनांक 09 अक्टूम्बर 2026 को



डीएसटी टीम को हल्का गश्त के दौरान खेतासर से खाबड़ा रोड़ पर 02-03 व्यक्ति पिस्टलनुमा हथियार लिये वीडियो बनाते हुवे दिखाई दिये, जिसपर टीम द्वारा हाथ में पिस्टलनुमा हथियार लिये खड़े व्यक्ति का नाम पता पुछा तो जितेन्द्रसिंह पुत्र तेजसिंह जाति राजपूत निवासी चंडालिया पुलिस थाना ओसियां जिला जोधपुर होना बताया, जिसको पिस्टलनुमा हथियार के साथ वीडियो बनाने व सोशल मिडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपलोड कर आमजन में भय उत्पन्न करने के सम्बन्ध

किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक जोधपुर ग्रामीण ने बताया कि पंचायतिराज चुनावों में मध्यनजर पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार जिले भर में हथियारों के साथ सोशल मीडिया पर रीलस/फोटो अपलोड कर आमजन में भय उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध जिला पुलिस द्वारा विशेष अभियान के तहत कार्यवाही प्रारम्भ की गयी है, विशेषकर युवा वर्ग ऐसे गैरकानूनी गतिविधियों से दूर रहें व निम्न बातों का ध्यान रखें -
1. अवैध/डमी हथियारों के साथ फोटो/वीडियो बनाकर आमजन

में भय कारित करने के उद्देश्य से सोशल मीडिया पर फोटो/वीडियो अपलोड कर युवा अपना भविष्य खराब नहीं करे, अन्यथा ऐसी फोटो/वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड करने वालों लोगों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की जायेगी।
2. सोशल मीडिया पर अंगरंग व गलत टिप्पणीयां नहीं करें।
3. पंचायतिराज चुनावों के मध्यनजर स्वयं को बढ़ा चढ़ा कर वर्णन करने वाले असामाजिक तत्व, उनको फॉलोअप करने वाले, अश्लील फोटो, अभद्र व असंवैधानिक भाषा का प्रयोग कर किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष को टारगेट करने वाले व आमजन में भय उत्पन्न करने वाले लोगों को चिह्नित कर, उनके विरुद्ध पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही की जायेगी।
गिरफ्तार आरोपी- जितेन्द्रसिंह पुत्र तेजसिंह जाति राजपूत निवासी चंडालिया पुलिस थाना ओसियां जिला जोधपुर।
उक्त कार्रवाई में डीएसटी के सडन श्री श्रवणकुमार भंवरीया, हैडकनि मदन मीणा, हेरन्ट लोहरा, मुकनसिंह, श्रवणसिंह व अशोक भाटी व थाना स्तर से सडन प्रकाश ढाका की विशेष भूमिका रही।

शारदीय नवरात्रा महोत्सव आज से, घर-घर होगी घट स्थापना

जूम न्यूज़ • पीपड़ा सिटी

शहर सहित आसपास ग्रामीण इलाको मे आज रविवार से शारदीय नवरात्रा महोत्सव का आयोजन शुरू होगा व नो दिवसीय महोत्सव का समापन 20 अक्टूबर को होगा वही माताजी के मंदिरों में नवरात्रा पर विभिन्न धार्मिक आयोजन के अलावा अनेक स्थानों पर भजन संध्याओ का आयोजन भी होगा जिसमें क्षेत्रिय व बाहरी कलाकारों द्वारा मधुर भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी।

समूचे क्षेत्र में नवरात्रा महोत्सव की तैयारियां को अंतिम रूप दे दिया गया है तथा माताजी मंदिरों में विशेष सजावट भी गई है।पंडित विजय व्यास ने बताया कि इस बार इस बार मां दुर्गा हाथी गज पर आएंगी और नर वाहन पर विदा होंगी, जिसे बेहद शुभ माना जाता है और तिथि दो दिन रहने

चूरू में तनाव प्रबंधन सेमिनार, मेडिटेशन और योग से सीखा तनावमुक्त जीवन जीने का तरीका

जूम न्यूज़ • चूरू

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी बाल विहार विद्यालय के बच्छावत ब्लॉक स्थित ऑडिटोरियम में शुक्रवार को तनाव प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया। ब्रह्माकुमारी संस्थान, बालोतरा की मोटिवेशनल स्पीकर एवं राज्योग प्रशिक्षक बहन अस्मिता के साविध्य तथा चूरू केंद्र की बहन सुमन और बहन रेखा की उपस्थिति में हुए कार्यक्रम में शिक्षकों और अभिभावकों को विद्यार्थियों की व्यवहार, आदतों और मानसिक स्थिति को समझने के लिए प्रेरित किया गया।

सेमिनार में बच्चों का तनाव कम करने, सकारात्मक सोच विकसित करने और उन्हें जीवनोपयोगी शिक्षा से जोड़ने पर जोर दिया गया। बहन अस्मिता ने तनाव के कारणों और



उसके शारीरिक एवं मानसिक प्रभावों की जानकारी देते हुए बताया कि नियमित मेडिटेशन और योग से मानसिक शांति तथा जीवन में संतुलन स्थापित करने में मदद मिलती है। ध्यान व्यक्ति को अपने विचारों को समझने और मन को शांत रखने में सहायक होता है। इस दौरान विद्यालय स्टाफ, विद्यार्थियों

और अभिभावकों को विभिन्न ध्यान एवं योग अभ्यास भी करवाए गए। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रेमसिंह राठौड़ ने कहा कि मोबाइल के अत्यधिक उपयोग और जल्द सफलता पाने की चाह से बच्चों की एकाग्रता प्रभावित हो रही है। छोटी-छोटी बातों पर क्रोध करना, आपस में झगड़ना और शारीरिक खेलों के

प्रति रुचि कम होना चिंता का विषय है।

उन्होंने कहा कि बच्चों के बेहतर मानसिक एवं शैक्षणिक विकास में शिक्षकों और अभिभावकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्हें बच्चों के व्यवहार को समझकर सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए। विद्यालय संचालक न्यास के मुख्य न्यासी बसंत कुमार पारख, प्रबंध समिति अध्यक्ष डॉ. सूरजमल सुरणा, सचिव आनंद बालाण सहित दिल्ली एवं कोलकाता के सदस्यों ने दूरभाष के माध्यम से सेमिनार को सफल आयोजन पर विद्यालय प्रशासन को शुभकामनाएं दीं और ब्रह्माकुमारी संस्थान के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी और अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आनंद कंवर ने किया।

45 हजार की लागत से 'शिक्षा एक्सप्रेस' का आकर्षक स्वरूप तैयार, भामाशाहों और स्कूल स्टाफ का रहा सहयोग नया बेदाना के सरकारी स्कूल ने बदली सूरत, ट्रेन के रूप में नजर आएगा

जूम न्यूज़ • आहोदर

क्षेत्र के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, नया बेदाना में भामाशाहों, विद्यालय स्टाफ एवं ग्रामवासियों के सहयोग से विद्यालय भवन का आकर्षक सौंदर्यकरण करवाया गया है। करीब 45 हजार रुपये की लागत से विद्यालय भवन को ट्रेन यानी 'शिक्षा एक्सप्रेस' का स्वरूप दिया गया है। इस अनूठी पहल से विद्यालय की सूरत निखर गई है और परिसर बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है।

विद्यालय की कक्षाओं एवं बरामदों की दीवारों पर ट्रेन की खिड़कियां और दरवाजे उकेरकर भवन को आकर्षक रूप दिया गया है। विद्यालय को 'शिक्षा एक्सप्रेस' के रूप में सजाने का उद्देश्य बच्चों के लिए शिक्षाप्रद, सुंदर एवं प्रेरणादायक वातावरण तैयार करना

है, ताकि उनमें विद्यालय आने के प्रति रुचि बढ़े और शिक्षा के प्रति सकारात्मक माहौल विकसित हो। इस कार्य को संपन्न करवाने में भामाशाहों के साथ विद्यालय स्टाफ ने भी सहयोग दिया। जनसहभागिता की इस पहल ने यह संदेश दिया है कि समाज और शिक्षक मिलकर भवन को आकर्षक एवं प्रेरणादायक बनाया जा सकता है।

भामाशाह सम्मान समारोह आयोजित

विद्यालय में इस पुनीत कार्य में सहयोग देने वाले भामाशाहों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। समारोह में पीईईओ अचल सिंह बालोत, व्याख्याता महेंद्र सिंह तथा एसएमसी अध्यक्ष अमराराम की गरिमाययी उपस्थिति रही। इस अवसर पर पीईईओ



अचल सिंह बालोत ने कहा कि भामाशाहों के अनुकरणीय प्रयासों और जनसहभागिता से विद्यालयों का कायाकल्प संभव है। विद्यालय

में सुंदर एवं प्रेरणादायक वातावरण बनने से बच्चों में नियमित रूप से स्कूल आने की रुचि बढ़ेगी और नामांकन वृद्धि को भी प्रोत्साहन मिलेगा। प्रधानाध्यापक लोकेश मीणा ने सभी सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भामाशाहों और विद्यालय स्टाफ के सामूहिक सहयोग से विद्यालय का स्वरूप निखरा है। इस तरह के प्रयास सरकारी विद्यालयों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सहयोगकर्ताओं का माला पहनाकर किया सम्मान

समारोह के दौरान सहयोग देने वाले भामाशाहों खीमाराम, मांगीलाल, विनोद कुमार, महेंद्र कुमार, अमराराम, सोपाराम, मोहनलाल, भूराराम, नैनाराम, हरीराम, प्रभुराम, रमेश कुमार, भंवरलाल, गणेशराम,

चाताराम, कैलाश कुमार, गोविन्द भोपाजी, टीकामराम मेघवाल, पृथ्वी सिंह बालोत, सादलाराम, दुदराम, हितेश कुमार एवं बलाराम का माला पहनाकर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ सदस्य निर्मला शर्मा, मनीषा सिंह जादौन, पूजा साहू, छाया शर्मा एवं भीवदास स्वामी सहित एसएमसी सदस्य और बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। विद्यालय के इस नए स्वरूप ने जनसहभागिता की ताकत को उजागर किया है। 'शिक्षा एक्सप्रेस' के रूप में सजा विद्यालय भवन बच्चों में उत्साह जगाने के साथ-साथ सरकारी विद्यालयों के विकास के लिए प्रबंधन का लक्ष्य है कि TBM प्रयासों की प्रेरक मिसाल बनकर उभरा है।

जयपुर परकोटे के नीचे मेट्रो सुरंग का काम शुरू

जूम न्यूज़ • जयपुर

जयपुर के परकोटे के नीचे जयपुर मेट्रो के विस्तार को लेकर शनिवार को बड़ा कदम उठाया गया। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गलता गेट पर टनल बोरिंग मशीन (TBM) का शुभारंभ कर मेट्रो फेज-1C के भूमिगत सुरंग निर्माण की शुरुआत की। इस परियोजना के तहत बड़ी चौपड़ से गलता गेट होते हुए ट्रांसपोर्ट नगर तक मेट्रो कनेक्टिविटी विकसित की जाएगी। करीब 1,511 करोड़ रुपए की लागत वाली इस परियोजना में 3.80 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर बनाया जाएगा।

इसमें लगभग 3 किलोमीटर भूमिगत ट्रेक और 0.8 किलोमीटर एलिवेटेड रैप शामिल होगा। मेट्रो प्रबंधन का लक्ष्य है कि TBM जून-जुलाई 2027 तक बड़ी चौपड़ पहुंच जाए। इसके बाद सुरंग

को मौजूदा मेट्रो नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में काम आगे बढ़ेगा। पूरी परियोजना मार्च 2028 तक पूरी करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस परियोजना की सबसे बड़ी चुनौती ऐतिहासिक परकोटे के नीचे सुरंग बनाना है। इस क्षेत्र में घनी आबादी, पुराने भवन, ऐतिहासिक धरोहरें, संकरी सड़कें और व्यस्त बाजार हैं। ऐसे में सड़क की खुदाई करके मेट्रो ट्रेक बनाने से यातायात, व्यापारिक गतिविधियों और आसपास की इमारतों पर असर पड़ सकता था। इसके ध्यान में रखते हुए सुरंग निर्माण के लिए टनल बोरिंग मशीन का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह मशीन जमीन के भीतर खुदाई करने के साथ सुरंग की दीवारों पर कंक्रीट सेगमेंट भी लगाएगी। इससे सुरंग की सतह पर बड़े स्तर पर खुदाई करने की जरूरत नहीं होगी।



‘द ओडिसी’ ने भारत में रचा इतिहास, आईएमएएक्स से 100 करोड़ कमाने वाली पहली फिल्म बनी

मुंबई। हॉलीवुड निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म ‘द ओडिसी’ ने भारत में इतिहास रच दिया है। सिर्फ आईएमएएक्स स्क्रीन के जरिए 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली पहली फिल्म बन गई है। इससे पहले किसी भारतीय या अंतरराष्ट्रीय फिल्म ने यह उपलब्धि हासिल नहीं की थी। यह फिल्म 17 जुलाई, 2026 को भारत और दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इसने 16 सितंबर को अपने 9वें हफ्ते में यह आंकड़ा पार किया,

जिसका आधिकारिक ऐलान अब किया गया है। निर्माताओं द्वारा की गई घोषणा के अनुसार, फिल्म की कुल भारतीय कमाई में आईएमएएक्स का योगदान लगभग 43 प्रतिशत रहा, जबकि देशभर में कुल स्क्रीनों में से सिर्फ 1 प्रतिशत से कुछ ज्यादा स्क्रीन आईएमएएक्स द्वारा प्रदर्शित की गई थीं। इस उपलब्धि के साथ, ‘द ओडिसी’ भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे कमाऊ आईएमएएक्स फिल्म बन चुकी है।

लाइफ Style यामी गौतम

यामी गौतम की फिल्म ‘नई नवेली’ दशहरा के मौके पर दर्शकों का मनोरंजन करने आ रही है। फिल्म का ट्रेलर निर्माताओं द्वारा जारी किया जा चुका है, जिसमें अभिनेत्री का अब तक का सबसे अलग किरदार दिखा।

‘नई नवेली’ के गाने में जमकर झूमें

एजेसी ►► मुंबई

अब इसका नया गाना ‘फटा पटाखा’ यूट्यूब पर जारी किया गया है जो ऊर्जा से भरपूर एक धमाकेदार डांस पार्टी पर केंद्रित है। इसमें जॉम्बी के साथ यामी का डांस देखने लायक है। यह गाना सुनने वालों को झूमने पर मजबूर कर देगा। जॉम्बी पार्टी करती दिखाई यामी, दिखी अनोखी दुनिया जी म्यूजिक कंपनी द्वारा अमेजन, एमजीएम स्टूडियोज और कलर येलो के सहयोग से प्रस्तुत, ‘फटा पटाखा’ को मधुबंती बागची ने आवाज दी है। संगीत जीवी प्रकाश कुमार ने दिया है और बोल वायु ने लिखे हैं। गाने के वीडियो में जॉम्बी की एक अनोखी दुनिया दिखती है, जिसमें यामी डांस कर रही हैं। बालाजी मोहन द्वारा निर्देशित ‘नई नवेली’ एक मनोरंजक-पारिवारिक फिल्म है, जिसमें कॉमेडी, रहस्य और रोमांच का तड़का लगाया गया है। यह 16 अक्टूबर, 2026 को रिलीज होगी।



हॉलीवुड मसाला

दुर्लभ जीवों को बचाने देंगे 1,700 करोड़

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड सुपरस्टार लियोनार्डो डि कैप्रियो और अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस ने विलुप्त होने की कगार पर खड़े दुर्लभ जीवों को बचाने के लिए एक बड़ी वैश्विक पहल की है। डि कैप्रियो के संगठन ‘री वाइल्ड’ और ‘बेजोस अर्थ फंड’ ने मिलकर ‘फोक्स रीवाइज प्रोजेक्ट’ की घोषणा की है। इस प्रोजेक्ट के तहत दुनिया की 100 अति-संकटग्रस्त प्रजातियाँ, जिनमें पैंगोलिन, सालमैंडर और दुर्लभ जंगली सूअर शामिल हैं, जिनके संरक्षण के लिए लगभग 1,700 करोड़ रुपये की भारी-भरकम वित्तीय सहायता दी जाएगी। इस पहल के लिए कुल 1,700 करोड़ रुपये का फंड तैयार किया गया है। इसमें से 850 करोड़ रुपये बेजोस अर्थ फंड ने दिए हैं, जबकि बाकी 850 करोड़ रुपये डि कैप्रियो के ‘री वाइल्ड’, ‘एज ऑफ यूनिशन’ और टॉड कैस फैमिली फाउंडेशन से मिलेंगे।

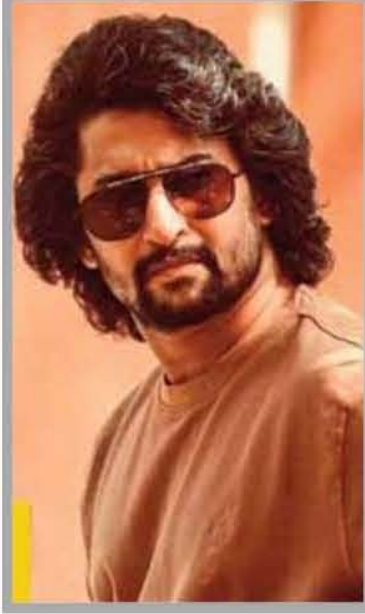


कीर्गन एलन के साथ हुई बंदूक की नोक पर लूटपाट

लॉस एंजिल्स। ‘प्रीटी लिटिल लायर्स’ और ‘वॉकर’ जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हॉलीवुड अभिनेता कीर्गन एलन के साथ एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ है। बंदूक की नोक पर उनके साथ लूटपाट की गई और उनके साथ मारपीट भी हुई। ये हादसा वेस्ट हॉलीवुड में हुआ, जहाँ 2 लकाबपोशों ने उन पर अत्यांक हमला कर दिया। घटना के बाद अभिनेता ने अपना एक वीडियो साझा किया और दवा किया कि वेस्ट हॉलीवुड अब सुरक्षित नहीं है। ये घटना बुधवार को हुई, जब एलन एक किराने की दुकान के बाहर थे। हमलावरों ने पहले उनके सिर पर वार किया, उन्हें जान से मारने की धमकी दी और उनकी घड़ी चुरा ली। उन्होंने हमले विलप में साझा किया। इसने काले कपड़े पहने 2 लोग अभिनेता के पास आते और उन पर बंदूक तानते हुए दिख रहे हैं। एलन अपनी घड़ी उन्हें वापस देते हुए दिखाई देते हैं, जिसके बाद एक लुटेरा उनके सिर पर वार करता है। इस घटना से जुड़ा जो वीडियो एलन ने साझा किया, उसमें उनका सिर खून से लथपथ था। उन्होंने बताया, 2 नौजवानों ने बंदूक और चाकू की नोक पर मुझसे लूटपाट की। उन्होंने मेरी घड़ी के लिए मुझे जान से मारने की धमकी दी और मार भी डालते।

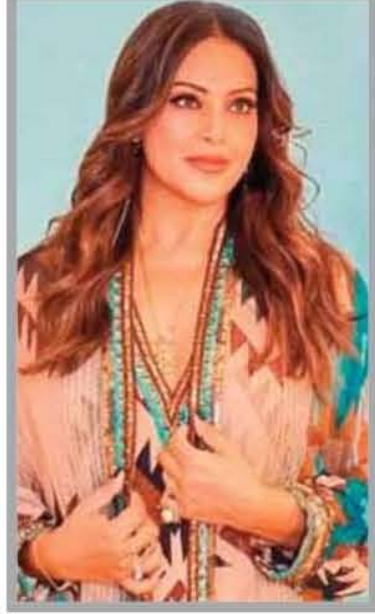
नानी ने किया निथिन की ‘एलियास रुक्मिणी’ का ऐलान

मुंबई। नानी अब एक नई तेलुगु फिल्म ‘एलियास रुक्मिणी’ के प्रस्तुतकर्ता बन गए हैं। यह फिल्म निथिन अभिनीत है और 4 दिसंबर, 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह घोषणा अभी हुई है, साथ ही 13 अक्टूबर को फिल्म के मुख्य किरदार के बारे में और जानकारी देने का वादा किया गया है। नानी ने इस फिल्म को ‘साल की सबसे खूबसूरत तेलुगु फिल्म’ बताया है। मुरली कान्त देवसोथ ने इस फिल्म का निर्देशन किया है और इसके निर्माता दीप्ती गांठा हैं। फिल्म की कहानी में एक दिलचस्प मोड़ है, जहाँ निथिन का किरदार खुलासा करता है कि रुक्मिणी, जिसका नाम एक लेखक के तौर पर सामने आता है, असल में उसकी पत्नी है। फिल्म की पहली शूटिंग शेड्यूल सितंबर में पूरी हो गई थी, जिसमें साई कुमार और हर्षा वर्धन जैसे कलाकार भी शामिल हुए थे।



पैपराजी पर फूटा गुस्सा... अभिनेत्री ने तोड़ी चुप्पी

मुंबई। सालों से बॉलीवुड से दूरी बनाने वाली बिपाशा बसु अब फिल्मों में वापसी करने के लिए तैयार हैं। वह इन दिनों मुंबई में अपनी नई वेब सीरीज की शूटिंग में व्यस्त हैं। हालांकि, उनसे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों ने सवाल उठाए हैं कि बिपाशा वीडियो में पैपराजी पर भड़क गई थीं, जिस पर अब अभिनेत्री ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए सफाई दी है। वीडियो में बिपाशा एक फिल्म स्टूडियो के बाहर दिखाई दीं, जहाँ पैपराजी भी मौजूद थे। इस दौरान वह जल्दी में लगतीं और कथित तौर पर पैपराजी पर भड़क गईं। अभिनेत्री ने कहा, चलिए यहाँ से, किसने बुलाया आपको? इस वीडियो को एक इंस्टाग्राम अकाउंट ने साझा करते हुए बिपाशा पर उंगली उठाई कि वह पैपराजी को नजरअंदाज कर रही हैं और उन पर गुस्सा करती नजर आई हैं।



टीवी मसाला

‘बिग बॉस’ मलयालम 8 में विपिन दास की धमाकेदार एंट्री

मुंबई। एक बड़े एक्वेशन के बाद, विपिन दास नेर ने ‘बिग बॉस मलयालम 8’ में वाइल्ड कार्ड के रूप में एंट्री की है, जिससे शो में हलचल मच गई है। वे अभिनय के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं और साथ ही कंटेंट क्रिएटर व आर्टिस्ट के तौर पर भी अपनी पहचान बना चुके हैं। उन्होंने 2023 में ‘द नेक्स्ट टॉप एंकर’ शो में हिस्सा लिया था, जिसमें नायला उषा, साबुमोन, कार्तिक सूर्या और मीनाक्षी जैसे मशहूर लोग जज थे।



विपिन ने शो में मरी ऊर्जा

रियलिटी टीवी की दुनिया में कदम रखने और ‘भरतनाट्यम’ में एक छोटे से विवाद के बाद, विपिन ‘बिग बॉस मलयालम’ में अपनी अनोखी एनर्जी और कन्फेशनल स्टाइल के मजेदार पलों के साथ छा गए हैं। खास बात यह है कि मलयालम पढ़ने में उन्हें मुश्किल हो रही है, जिससे उनके ‘बिग बॉस’ के सफर को एक अनूठा मोड़ मिल गया है। इससे फैस भी यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि वह आगे इस खेल में क्या बदलाव ला सकते हैं।

स्वरा-प्रियंका का खेल बिगाड़ने आ रहे ऋषभ, जशवंत और सोनम मलिक

मुंबई। रियलिटी शो ‘राइज एंड फॉल 2’ में अब 3 नए वाइल्ड कार्ड प्रतिযোগियों की एंट्री होने वाली है। इनमें अभिनेता और कंटेंट क्रिएटर ऋषभ जायसवाल, रियलिटी शो स्टार जशवंत बोपन्ना और अभिनेत्री सोनम मलिक के नाम शामिल हैं। शो को पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवर्ग होस्ट कर रहे हैं। स्वरा भास्कर और प्रियंका चाहर चौधरी जैसे प्रतियोगियों के बीच इन नए सदस्यों की एंट्री से मुकाबला और दिलचस्प होने की उम्मीद है।



शानदार प्रमो से हुई वाइल्ड कार्ड्स की घोषणा

नए प्रतियोगी ऋषभ मशहूर टीवी एक्टर और कंटेंट क्रिएटर, जशवंत जानी-मानी रियलिटी टीवी पर्सोनालिटी और सोनम एक अभिनेत्री हैं। इसकी घोषणा अमेजॉन एमएक्स प्लेयर के अधिकारी सोशल मीडिया पेज पर की गई है। शानदार प्रमो साझा करते हुए लिखा गया, ‘एक नहीं, 2 नहीं, अब सीधा 3 नए प्लेयर। टावर का बैलेस हिलने वाला है।’ अब देखना ये होगा कि इन तीनों में कौन स्लर बनकर पेटहाउस जाता है और कौन बैसमेंट का वर्कर बनता है।

शो में आने से पहले ही गिल गए थे संकेत इस आधिकारिक घोषणा से पहले ही तीनों प्रतियोगियों ने सोशल मीडिया पर शो में आने के संकेत देने शुरू कर दिए थे। ऋषभ, सोनम और जशवंत ने अपने-अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर चेहरे छिपाकर और हाथों में काले रंग के वाइल्ड कार्ड लेकर तस्वीरें साझा की थीं। ऋषभ इससे पहले ‘स्पिल्टर्सविला 14’ और ‘रोडीज सीज़न 19’ में नजर आ चुके हैं, वहीं जशवंत भी ‘रोडीज का हिस्सा रह चुके हैं और उन्होंने ‘स्पिल्टर्सविला 15’ का खिताब अपने नाम किया था।

माधुरी दीक्षित के शो में आने वाले थे नाना पाटेकर, अब इस अभिनेत्री ने ली जगह

मुंबई। नाना पाटेकर सोनी मराठी के आगामी वित्ज शो ‘कोण होणार करोडपती’ के पहले एपिसोड में आने वाले थे। शो की मेजबानी माधुरी दीक्षित कर रही हैं, जो दिग्गज अभिनेता के साथ फिल्म ‘जुद्ध’ (1998) में काम कर चुकी हैं। यह शो नाना और माधुरी के लंबे समय बाद पुनर्मिलन का प्रतीक बनने वाला था, लेकिन ऐसा मुमकिन नहीं हो सका। अभिनेता का 8 अक्टूबर को 75 साल की उम्र में अलका दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। खबरों के मुताबिक, निधन से पहले नाना ‘कोण होणार करोडपती’ की शूटिंग करने वाले थे। अब उनकी जगह अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे को बतौर मेहमान प्रिमियर एपिसोड में देखा जाएगा। शो 12 अक्टूबर से शुरू हो रहा है और इसके साथ ही माधुरी व सोनाली पहली बार एक साथ स्क्रीन पर नजर आएंगी। दोनों का भारतीय सिनेमा में करियर काफी लंबा रहा है, लेकिन इससे बावजूद माधुरी और सोनाली ने कभी किसी फिल्म में साथ काम नहीं किया। माधुरी ने अपने इंस्टाग्राम पर नाना की तस्वीर साझा करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी थी। उन्होंने लिखा था, ‘एक महान कलाकार, एक संशक्त व्यक्तित्व और एक अविस्मरणीय आवाज... नाना पाटेकर के निधन से फिल्म जगत ने एक अनमोल और दिग्गज अभिनेता को खो दिया है। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। यह मेरी ओर से उन्हें मानवीय श्रद्धांजलि है।’

‘बिग बॉस 20’ में आम्पाली दुबे ने स्काउटओपी की लव गिल से करीबी पर उठाए सवाल

‘बिग बॉस 20’ के घर में उस वक़्त थोड़ा अजीब माहौल बन गया, जब आम्पाली दुबे ने प्रतियोगी स्काउटओपी (रमन्य सिंह) और लव गिल के बीच बढ़ती नजदीकियों पर ध्यान दिलाया। दरअसल, स्काउट ने लव को उनकी शर्ट के अंदर से मसाज दिया था। इसके बाद आम्पाली ने लव से बातचीत की और समझाया कि बाहर से देखने वालों को उनके ये काम कैसे लग सकते हैं। आम्पाली ने लव को बहुत नरमी से समझाया कि उन्हें थोड़ा सावधान रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे पल उनके उन पाठनर्स पर असर डाल सकते हैं, जो बाहर इंतज़ार कर रहे हैं। मंरी ही स्काउट ने लव के साथ अपने रिश्ते को माई-बहन जैसा बताया था, पर उन्होंने ये भी माना है कि उन्हें पजेसिवनेस महसूस होती है। फंस ने इस बात पर खास ध्यान दिया है, क्योंकि उनकी गैलफ्रेड काश्ची हरिगन्धनी शो के बाहर है।

रणवीर कपूर और साई पल्लवी की फिल्म ‘रामायण पार्ट 1’ जल्द ही दुनियाभर में रिलीज होने वाली है। इसी बीच रविवार, 11 अक्टूबर को महाराष्ट्र के रामटेक में इस फिल्म के एक गाने का लॉन्च इवेंट आयोजित होने वाला था। हालांकि, नवरात्रि के पहले दिन होने वाले इस इवेंट को टाल दिया गया है। ये फैसला महाराष्ट्र में पड़े भीषण सूखे के बीच लिया गया है, जिससे किसानों को राहत पहुंचाना सरकार की पहली प्राथमिकता है।

एजेसी ►► मुंबई



रामायण की टीम भी किसानों की मदद से लिए तैयार

पोस्ट में आगे लिखा गया, ‘इस कार्यक्रम का उद्देश्य रामटेक की भूमि के महत्व को उजागर करना था, जिसे भगवान श्री रामचंद्र के चरणों के स्पर्श से पवित्र किया गया था।’ उन्होंने बताया कि मौजूदा हालात में किसानों की मदद करना उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। जयसवाल ने आगे कहा कि फिल्म की टीम ने किसानों की मदद करने की इच्छा जताई थी। उन्होंने उन सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का भी शुकिया अदा किया, जिन्होंने इस इवेंट का प्रचार किया था।

इंस्टाग्राम पर की गई थी इसकी घोषणा

स्थानीय विधायक आशीष जायसवाल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें रामायण की टीम के साथ होने वाले भव्य इंटरैक्शन प्रोग्राम को टालने की घोषणा की गई थी। हालांकि, अब ये वीडियो उपलब्ध नहीं है। पोस्ट के कैप्शन में जायसवाल ने लिखा, ‘हम आप सभी को बताना चाहते हैं कि 11 अक्टूबर को रामटेक में होने वाला ‘रामायण’ की पूरी टीम के साथ एक बड़ा कार्यक्रम कुछ जरूरी वजहों से टाल दिया गया है।’

‘रामायण’ की टीम की तरफ से नहीं आई कोई जानकारी

इस इवेंट के टलने के बाद, अभी यह सफा नहीं है कि निर्माता इसे ऑनलाइन रिलीज करेंगे या किसी और लॉन्च इवेंट की योजना बनाएंगे। टीम ने इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है।

एक पन्ने की वित्तीय योजना से बिखरे पैसे को दें सही दिशा

►► कमाई आते ही तय करें किस हिस्से से खर्च, सुरक्षा, कर्ज और निवेश ►► छोटी लेकिन स्पष्ट योजना लंबे समय में बना सकती है बड़ा कोष
►► बीमा, आपातकालीन निधि, कर्ज और निवेश का तय करें क्रम ►► हर महीने आय आते ही पैसा अपने लक्ष्य के अनुसार ही करें आवंटित

निवेश मंत्रा

कमाई अच्छी होने के बावजूद कई लोगों की आर्थिक स्थिति इसलिए मजबूत नहीं हो पाती, क्योंकि उनका पैसा अलग-अलग जगह बिखरा रहता है। किसी बैंक खाते में कुछ रकम, कहीं बीमा पॉलिसी, क्रेडिट कार्ड का बकाया, किसी म्यूचुअल फंड में छोटी-सी राशि और थोड़ी बचत घर में... लेकिन यह स्पष्ट नहीं होता कि कुल संपत्ति कितनी है और किस लक्ष्य के लिए कितना पैसा जमा किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में जरूरत निवेश के नए विकल्प तलाशने की नहीं, बल्कि पहले से मौजूद पैसों को व्यवस्थित करने की होती है। इसके लिए जरूरी नहीं कि कोई जटिल वित्तीय योजना बनाई जाए। एक पन्ने पर आय, खर्च, कर्ज, सुरक्षा और निवेश की पूरी तस्वीर लिखना भी काफी मददगार हो सकता है। इस योजना का मकसद यह तय करना है कि कमाई खाते में आते ही पैसा कहाँ और कितना जमाएँ, ताकि खर्च के बाद जो बचे उसी से निवेश करने की आदत न बने।

पहला कदम : आर्थिक सुरक्षा मजबूत करें
निवेश शुरू करने से पहले वित्तीय सुरक्षा की नींव मजबूत करना जरूरी है। यदि परिवार में आपकी आय पर दूसरे सदस्य निर्भर हैं तो पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा और जरूरत के अनुसार टर्म जीवन बीमा पर ध्यान देना चाहिए। बीमा का उद्देश्य निवेश से कमाई करना नहीं, बल्कि अचानक आने वाले बड़े आर्थिक संकट से परिवार को बचाना है। इसी तरह कम से कम तीन से छह महीने के जरूरी घरेलू खर्च के बराबर रकम आपातकालीन निधि के रूप में अलग रखना उपयोगी है। इसे ऐसे साधन में रखा जाना चाहिए, जहाँ जरूरत पड़ने पर रकम आसानी से उपलब्ध हो। इस पैसे को शेयर बाजार में लगाकर ज्यादा रिटर्न कमाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

दूसरा कदम : महंगे कर्ज से पहले छुटकारा
अगर क्रेडिट कार्ड, व्यक्तिगत ऋण या किसी तत्काल ऋण पर बहुत ज्यादा ब्याज दिया जा रहा है तो निवेश बढ़ाने से पहले ऐसे कर्ज को खत्म करना प्राथमिकता होनी चाहिए। मसलन, क्रेडिट कार्ड का बकाया लंबे समय तक छोड़ने पर ब्याज तेजी से बढ़ सकता है। ऐसे कर्ज के रहते बाजार में निवेश करके ज्यादा रिटर्न कमाने की उम्मीद करना जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए सभी कर्ज की सूची बनाएं। सामने बकाया रकम, ब्याज दर और हर महीने की किस्त लिखें। ज्यादा ब्याज वाले असुरक्षित कर्ज को पहले चुकाने की कोशिश करें।



हर महीने नहीं, समय समय पर करें समीक्षा
वित्तीय योजना का मतलब रोज शेयर बाजार देखना या बार-बार निवेश बदलना नहीं है। बाजार में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। लंबी अवधि के निवेश के लिए अनुशासन और निरंतरता ज्यादा महत्वपूर्ण है। हाँ, आय बढ़ने, नौकरी बदलने, शादी, बच्चे होने, घर खरीदने या बड़े कर्ज जैसी परिस्थितियों में योजना की समीक्षा जरूर करनी चाहिए।

तीसरा कदम : लक्ष्यों के हिसाब से करें निवेश
सारी बचत को एक ही जगह लगाना सही रणनीति नहीं है। पहले यह तय करें कि पैसा कब चाहिए। पांच साल से कम अवधि वाले लक्ष्यों के लिए बहुत ज्यादा जोखिम वाले निवेश से बचना बेहतर है। वाहन खरीदना, घर की मरम्मत, बच्चों की निकट अवधि की फीस या अन्य जरूरी खर्च इसके उदाहरण हैं। ऐसे लक्ष्यों के लिए सुरक्षित बचत विकल्पों पर विचार किया

जा सकता है। वहीं 10 साल या उससे अधिक अवधि वाले लक्ष्यों के लिए बाजार आधारित निवेश पर विचार किया जा सकता है। सेवानिवृत्ति, बच्चों की उच्च शिक्षा या लंबे समय में संपत्ति बनाने जैसे लक्ष्यों के लिए इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड या व्यापक बाजार सूचकांक आधारित फंड विकल्प हो सकते हैं। हालाँकि निवेश का कुलव्यक्ति की जोखिम क्षमता, उम्र, आय और लक्ष्य के अनुसार होना चाहिए।

चौथा कदम : निवेश को अपने आप चलने दें
वित्तीय योजना तभी सफल होती है जब उसे नियमित रूप से लागू किया जाए। इसके लिए एसआईपी जैसी स्वचालित व्यवस्था उपयोगी हो सकती है। वेतन या आय खाते में आते ही निधारित रकम निवेश के लिए अलग हो जाए तो महीने के अंत में बचो रकम निवेश करने की जरूरत नहीं पड़ती। मान लीजिए किसी व्यक्ति की मासिक आय 60 हजार रुपये है। वह जरूरी खर्च और सुरक्षा की रकम तय करने के बाद 10 हजार रुपये लंबे समय के लक्ष्य के लिए निवेश करना चाहता है। यदि हर महीने एक निश्चित तारीख को यह रकम स्वतः निवेश हो जाए तो बाजार की रोजाना की खबरी या मूड के आधार पर निवेश रोकने की संभावना कम होगी।

5वां कदम : लिखें पूरी तस्वीर
■ मासिक आय : कितनी रकम हाथ में आती है।
■ जरूरी खर्च : घर चलाने में कितना खर्च होता है।
■ कर्ज : कितना बकाया है और ब्याज।
■ आपातकालीन निधि : कितनी रकम अलग रखी।
■ बीमा : स्वास्थ्य और जीवन बीमा कितना है।
■ निवेश : हर महीने कितनी रकम और किस लक्ष्य के लिए निवेश होगी।
■ लक्ष्य : अगले 3, 5, 10 और 20 साल में किन जरूरतों के लिए पैसा चाहिए।
■ एक पन्ने से व्यक्ति को हर माह यह समझने में आसानी होगी कि उसकी आय कहाँ जा रही है व महिष के लिए कितना पैसा तैयार हो रहा है।

पुराने खातों और निवेश की भी करें सफाई
कई लोगों के पास जरूरत से ज्यादा बैंक खाते, क्रेडिट कार्ड और छोटे-छोटे निवेश होते हैं। समय-समय पर इनकी समीक्षा करनी चाहिए। जिन खातों या कार्ड का उपयोग नहीं हो रहा है, उनकी जरूरत और शुल्क की जांच करें। अलग-अलग निवेशों की सूची बनाकर देखें कि कहीं एक ही तरह के कई उत्पाद तैय नहीं हैं। साथ ही बैंक खाते, बीमा, म्यूचुअल फंड, शेयर और अन्य वित्तीय निवेशों में नॉमिनली की जानकारी अपडेट रखें। परिवार में किसी अनहोनी की स्थिति में यह छोटी-सी सावधानी बहुत महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

पैसा बचाना ही पर्याप्त नहीं, उसे सही दिशा देना जरूरी
एक अच्छी वित्तीय योजना वह नहीं जिसमें सबसे ज्यादा निवेश उत्पाद हो, बल्कि वह है जिसमें हर रुपये की भूमिका स्पष्ट हो। पहले सुरक्षा, फिर महंगे कर्ज से मुक्ति और उसके बाद लक्ष्य आधारित निवेश—यह सरल क्रम आर्थिक अव्यवस्था को व्यवस्थित करने में मदद कर सकता है। योजना एक बार बनाकर भूलने के बजाय साल में कम से कम एक बार उसकी समीक्षा करें। धीरे-धीरे आय बढ़ने के साथ निवेश की रकम बढ़ते रहें। यही अनुशासन लंबे समय में छोटी बचत को बड़ा वित्तीय सहारा बना सकता है।

30 की उम्र में निवेश शुरू कर रहे हैं तो पहले साल ऐसे बनाएं मजबूत आधार

जानकारी

अगर आपकी उम्र 30 साल है और आपने अभी तक निवेश शुरू नहीं किया है तो घराने की जरूरत नहीं है। इस उम्र में आपके पास लंबी अवधि का फायदा उठाने के लिए पर्याप्त समय है। हालाँकि निवेश की शुरुआत किसी खास शेयर या म्यूचुअल फंड को चुनने से नहीं, बल्कि अपनी आर्थिक स्थिति समझने से होनी चाहिए। पहले साल का लक्ष्य ज्यादा रिटर्न कमाना नहीं, बल्कि ऐसी वित्तीय व्यवस्था तैयार करना होना चाहिए जिसे आने वाले वर्षों में आसानी से जारी रखा जा सके। निवेश शुरू करने से पहले तीन सवालों के जवाब तलाशें-पैसा किस लक्ष्य के लिए चाहिए, कब चाहिए और बाजार में गिरावट आने पर आप कितना जोखिम उठा सकते हैं। इसके आधार पर ही निवेश की दिशा तय होगी।

सबसे पहले बनाएं आपातकालीन निधि
यदि आपके पास बचत नहीं है और क्रेडिट कार्ड या व्यक्तिगत ऋण जैसा महंगा कर्ज चल रहा है तो पहले साल का पूरा ध्यान निवेश बढ़ाने के बजाय वित्तीय आधार मजबूत करने पर होना चाहिए। कम से कम तीन से छह महीने के जरूरी खर्च के बराबर रकम आपातकालीन निधि में रखना उपयोगी है। नौकरी जाने, बीमारी, अचानक बड़े खर्च या किसी अन्य आपात स्थिति में यही रकम काम आएगी। इसे ऐसे विकल्प में रखना चाहिए जहाँ जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से निकाला जा सके। आपातकालीन निधि बनाने के बाद ही लंबी अवधि के निवेश को धीरे-धीरे बढ़ाना चाहिए।

जोखिम क्षमता भी समझें

सिर्फ यह देखकर निवेश न करें कि कोई फंड या शेयर पिछले साल कितना बढ़ा। पहले यह समझें कि बाजार में 20-30 प्रतिशत गिरावट आने पर आपकी प्रतिक्रिया क्या होगी। मान लीजिए आपने 10 हजार रुपये निवेश किए और कुछ समय बाद उसकी कीमत घटकर 8 हजार रुपये रह गई। यदि इससे आप घबरा कर निवेश बेच देंगे तो इक्विटी निवेश आपके लिए काठिन हो सकता है। लेकिन अगर आप उतार-चढ़ाव को स्वीकार कर लंबे समय तक निवेश बनाए रख सकते हैं तो आपकी जोखिम क्षमता ज्यादा हो सकती है। यानी निवेश का चुनाव केवल रिटर्न देखकर नहीं, बल्कि लक्ष्य और जोखिम क्षमता देखकर करें।

- पहले आपातकालीन निधि और महंगे कर्ज से निपटें
- लक्ष्य के हिसाब से बचत और निवेश करना शुरू करें
- लंबी अवधि के लिए एसआईपी और सूचकांक फंड बेहतर विकल्प



महंगे कर्ज को निवेश से पहले खत्म करें
क्रेडिट कार्ड का बकाया या ज्यादा ब्याज वाला व्यक्तिगत ऋण आपकी आर्थिक प्रगति को धीमा कर सकता है। इसलिए सभी कर्ज की सूची बनाएं और ब्याज दर देखें। ज्यादा ब्याज वाले कर्ज को पहले चुकाना बेहतर है। कर्ज खत्म होने के बाद उसकी मासिक किस्त के बराबर रकम को निवेश में लगाया जा सकता है। इस तरह कर्ज चुकाने की आदत सीधे निवेश की आदत में बदल सकती है।

हर लक्ष्य की तय करें समय सीमा
निवेश का तरीका इस बात पर निर्भर करता है कि पैसा कब चाहिए। तीन साल के भीतर जरूरत पड़ने वाली रकम को शेयर बाजार जैसे उतार-चढ़ाव वाले साधनों में लगाने से बचना चाहिए। कार खरीदना, शादी, घर की शुरुआती रकम या निकट अवधि की शिक्षा जैसे लक्ष्य इसके उदाहरण हैं। ऐसे लक्ष्यों के लिए बैंक संचयि जमा, आर्काई जमा या अन्य अपेक्षाकृत सुरक्षित विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। दूसरी ओर, यदि लक्ष्य 10, 15 या 20 साल दूर है तो बाजार आधारित निवेश पर विचार किया जा सकता है। सेवानिवृत्ति या बच्चे की उच्च शिक्षा जैसे लंबे लक्ष्यों में महंगाई को ध्यान में रखना जरूरी है।

शुरुआती निवेशक के लिए सूचकांक फंड सरल विकल्प
लंबी अवधि के निवेश की शुरुआत करने वाले निवेशक के लिए व्यापक बाजार सूचकांक पर आधारित म्यूचुअल फंड एक सरल विकल्प हो सकता है। ऐसे फंड किसी प्रमुख सूचकांक की कंपनियों में निवेश करते हैं। इससे एक ही कंपनी पर निर्भरता कम होती है और निवेशक को अलग-अलग शेयर चुनने की जरूरत नहीं पड़ती। हालाँकि इक्विटी आधारित निवेश में बाजार जोखिम रहता है। इसलिए इसका इस्तेमाल उन्हीं लक्ष्यों के लिए करना चाहिए जिनकी समय सीमा लंबी हो।

उदाहरण से समझें
मान लीजिए रोहन की उम्र 30 साल है और उसे हर महीने कर कटौती के बाद 80 हजार रुपये मिलते हैं। उसके पास पहले से आपातकालीन निधि है। वह दो साल बाद कार खरीदना चाहता है और साथ ही सेवानिवृत्ति के लिए भी निवेश शुरू करना चाहता है। ऐसी स्थिति में वह अपनी क्षमता के अनुसार, उदाहरण के तौर पर, हर महीने 15 हजार रुपये कार के लक्ष्य के लिए सुरक्षित बचत में और 15 हजार रुपये लंबी अवधि के लिए इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड को एसआईपी में लगा सकता है। इस तरह दोनों लक्ष्यों का पैसा अलग रहेगा।

कार के लिए रख पैसा बाजार की गिरावट से प्रभावित नहीं होगा और सेवानिवृत्ति के लिए किया गया निवेश लंबे समय तक बढ़ने का अवसर पाएगा।

बचत को हर माह की आदत बनाएं

- सबसे कम कमाई वाले महीने को आधार बनाएं
- वेतन आते ही बचत अलग खाते में डालें
- पहले तैयार करें अपने लिए आपातकालीन कोष
- लंबे समय में मजबूत आर्थिक सुरक्षा तैयार

कई लोगों को कमाई हर महीने एक जैसी नहीं होती। कभी बोनस मिल जाता है तो कभी अतिरिक्त आमदनी हो जाती है। ऐसे अछूते महीने में बचत भी बढ़ जाती है, लेकिन अचानक आय बड़ा खर्च या कम आय वाला महीना पूरी बचत खत्म कर देता है। नतीजा यह होता है कि कई साल कमाने के बाद भी व्यक्ति के पास आपात स्थिति के लिए पर्याप्त रकम नहीं होती। समस्या हमेशा कम कमाई नहीं होती, बल्कि नियमित बचत के लिए तय व्यवस्था का अभाव भी इसका बड़ा कारण है। वित्तीय मजबूती के लिए बचत को महीने के अंत में बचो रकम पर निर्भर करने के बजाय इसे कमाई का पहला काम बनाना जरूरी है। यानी पैसा आते ही बचत की रकम अलग और उसके बाद खर्च। यही छोटी आदत लंबे समय में मजबूत आर्थिक सुरक्षा तैयार कर सकती है।

पहले समझें, बचत क्यों नहीं हो रही

बचत शुरू करने से पहले यह पता लगाना जरूरी है कि पैसा बच क्यों नहीं रहा। कुछ लोगों की आय हर महीने बढ़ती रहती है। स्वतंत्र काम करने वाले, कमिशन पर काम करने वाले या कारोबार से जुड़े लोगों के लिए एक महीने की आय दूसरे महीने से काफी अलग हो सकती है। दूसरी समस्या यह है कि बचत का इरादा तो होता है, लेकिन हर महीने कोई न कोई खर्च उसे पीछे धकेल देता है। कई लोग सोचते हैं कि महीने के अंत में जो रकम बचेगी, उसे बचा लेंगे। व्यवहार में अक्सर महीने के अंत तक बहुत कम रकम बचती है। इसलिए बचत के लिए इच्छा नहीं, व्यवस्था बनाना जरूरी है।

3 माह की आय से तय करें अपना बजट
सबसे पहले पिछले तीन महीनों की कुल आय देखें और उसका औसत निकालें। लेकिन यदि आय में काफी उतार-चढ़ाव रहता है तो औसत आय के बजाय सबसे कम आय वाले महीने को अपना बजट आधार बनाना ज्यादा सुरक्षित हो सकता है। उदाहरण के लिए किसी व्यक्ति को तीन महीने में 40 हजार, 48 हजार और 35 हजार रुपये मिले। औसत आय करीब 41 हजार रुपये बैठती है, लेकिन बजट 35 हजार रुपये की सबसे कम आय को आधार मानकर बनाना जा सकता है। इससे कम आय वाले महीने में भी जरूरी खर्च पूरे करने में परेशानी नहीं होगी। अब इसमें कर, राशन, बिजली-पानी, आने-जाने और अन्य जरूरी खर्च अलग करें।

योजना



वेतन आते ही पहले बचत करें
नियमित वेतन पाने वालों के लिए सबसे आसान तरीका है—पहले खुद को मुगतान करें। मान लीजिए आपकी मासिक आय 40 हजार रुपये है और आप हर महीने 5 हजार रुपये बचाना चाहते हैं। वेतन खाते में आते ही 5 हजार रुपये दूसरे खाते में स्वतः स्थानांतरित करने की व्यवस्था कर दें। इसके बाद बचे पैसे से महीने का खर्च चलाने। इसका फायदा यह है कि बचत की रकम खर्च करने वाले खाते में पड़ी ही नहीं रहेगी। बचत को इच्छाशक्ति के अग्रेसर रखने के बजाय स्वचालित व्यवस्था का हिस्सा बनाना जा सकता है।

आय तय नहीं तो प्रतिशत के हिसाब से बचाएं
यदि कमाई हर महीने अलग है तो निश्चित रकम बचाने के बजाय आय का एक तय प्रतिशत अलग करना बेहतर हो सकता है। उदाहरण के लिए हर मुगतान का 15 से 20 प्रतिशत बचत खाते में डालने का नियम बनाना जा सकता है। मान लीजिए किसी स्वतंत्र पेशेवर की मासिक आय 25 हजार से 60 हजार रुपये के बीच रहती है। वह हर मुगतान का 18 प्रतिशत बचत के लिए अलग करता है। इस तरह कम आय वाले महीने में बचत की रकम कम होगी और ज्यादा कमाई होने पर बचत अपने आप बढ़ जाएगी।

बचत के लिए अलग खाता रखें
बचत और रोजमर्रा के खर्च का पैसा एक ही खाते में रखने से अनजाने में बचत खर्च होने की संभावना रहती है। इसलिए बचत के लिए अलग बैंक खाता रखना उपयोगी हो सकता है। संभव हो तो इसे रोजमर्रा के खाते से अलग बैंक में रखें। बोनस, कर वापसी या अचानक मिली अतिरिक्त रकम का एक हिस्सा सीधे इसी खाते में डाल सकते हैं।

पहले आपातकालीन कोष, बाद में ज्यादा रिटर्न

बचत का पहला उद्देश्य हर बार ज्यादा रिटर्न कमाना नहीं होना चाहिए। पहले ऐसा आपातकालीन कोष तैयार करें जिससे अचानक आने वाले खर्च के समर्थ निवेश या कर्ज पर निर्भरता कम हो। नियमित वेतन वालों के लिए तीन से छह महीने के जरूरी खर्च के बराबर आपातकालीन निधि एक अच्छा आधार हो सकती है। वहीं जिनकी आय में ज्यादा उतार-चढ़ाव रहता है, वे छह से नौ महीने के जरूरी खर्च के बराबर रकम रखने पर विचार कर सकते हैं। यह रकम ऐसे विकल्प में रखी जानी चाहिए जहाँ जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से उपलब्ध हो। आपातकालीन निधि का पहला उद्देश्य सुरक्षा और तरलता है, अधिकतम रिटर्न नहीं।

योजना बनाकर भूल जाना भी ठीक नहीं

बचत की योजना बनाकर उसे भूल जाना भी सही नहीं है। महीने में केवल 15 मिनट निकालकर देखें कि आय कितनी रही, जरूरी खर्च कितना हुआ और तय बचत लक्ष्य पूरा हुआ या नहीं। यदि किराया बढ़ गया, परिवार में नया खर्च जुड़ गया या आय में बदलाव हुआ है तो बचत लक्ष्य में भी बदलाव किया जा सकता है। महत्वपूर्ण यह है कि बचत पूरी तरह बढ़ न हो।

इन पांच गलतियों से बचें

- महीने के अंत में बचत: तब तक पैसा खत्म हो सकता है।
- एक ही खाते में बचत और खर्च: बचत अनजाने में खर्च हो सकती है।
- सिर्फ अछूते महीने में बचत: इससे नियमित आदत नहीं बनती।
- बिना बजट तय किए रकम निधारित करना: लक्ष्य आपकी वास्तविक आय से मेल खाना चाहिए।
- योजना की समीक्षा न करना: आय और खर्च बदलने के साथ बजट भी बदलना चाहिए।

निवेश से पहले बचत की मजबूत नींव जरूरी

शेयर, म्यूचुअल फंड या किसी अन्य निवेश में पैसा लगाने से पहले नियमित बचत की आदत और आपातकालीन निधि तैयार करना जरूरी है। कम रकम से शुरुआत करना कोई समस्या नहीं है। महीने में 500 रुपये भी नियमित रूप से बचाना उस महीने हजारों रुपये बचाकर अगले महीने फिर शून्य पर पहुंचने से बेहतर है।

अलर्ट 3 से 10 साल की अवधि में निवेश करने का बेहतीन विकल्प, लक्ष्य के हिसाब से तय होगी मासिक किस्त, तैयार होगा फंड

बच्चे के नाम हर महीने बचत, तैयार होगा एक लाख का फंड एसबीआई की ‘हर घर लखपति’ आरडी में 6.7% सालाना ब्याज

समझदारी

बच्चे की पढ़ाई, उच्च शिक्षा या भविष्य की किसी बड़ी जरूरत के लिए समय रहते बचत शुरू करना समझदारी है। ऐसे में अगर आप बाजार के उतार-चढ़ाव से अलग रहकर हर महीने एक निश्चित रकम जमा करना चाहते हैं, तो भारतीय स्टेट बैंक यानी एसबीआई की ‘हर घर लखपति’ योजना एक विकल्प हो सकती है। यह कोई अलग निवेश उत्पाद नहीं, बल्कि रिकरिंग डिपॉजिट यानी आरडी का एक रूप है। इसमें निवेशक हर महीने एक तय रकम जमा करता है और तय अवधि पूरी होने पर जमा रकम के साथ ब्याज मिलता है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस योजना में फिलहाल 6.7% सालाना ब्याज मिल रहा है। निवेश की अवधि 3 साल से 10 साल तक रखी जा सकती है। यानी अभिभावक बच्चे की उम्र और भविष्य के लक्ष्य के हिसाब से अवधि चुन सकते हैं।

क्या है ‘हर घर लखपति’ योजना ?

नाम से लग सकता है कि यह कोई अलग सरकारी योजना है, लेकिन वास्तव में यह एसबीआई की आरडी आधारित सुविधा है। इसका उद्देश्य नियमित बचत के जरिए एक तय लक्ष्य राशि तैयार करना है। इसे सामान्य आरडी की तरह समझ सकते हैं, जिसमें हर महीने एक निश्चित राशि जमा करनी होती है। मसलन, अगर अभिभावक बच्चे के लिए हर महीने थोड़ी रकम अलग रखते हैं तो कुछ वर्षों में यह रकम ब्याज के साथ एक बड़े फंड में बदल सकती है।

3 से 10 साल तक निवेश
इस योजना में 3 साल से 10 साल तक की अवधि चुनी जा सकती है। अवधि का चुनाव बच्चे की जरूरत के हिसाब से करना महत्वपूर्ण है। यदि बच्चे की उच्च शिक्षा के लिए पांच साल बाद रकम चाहिए तो पांच साल की अवधि वाला लक्ष्य बनाना जा सकता है। अगर जरूरत 10 साल बाद है तो लंबी अवधि का विकल्प चुन जा सकता है। हालाँकि निवेश की अवधि तय करते समय यह भी देखना चाहिए कि बीच में पैसों की जरूरत पड़ सकती है या नहीं। समय से पहले आरडी बंद करने पर बैंक के नियम लागू हो सकते हैं।



बच्चे के नाम पर खाता कैसे खुलेगा ?
इस योजना में कोई व्यक्ति सिंगल या जॉइंट अकाउंट खोल सकता है। 10 साल से अधिक उम्र के बच्चे के नाम पर भी खाता खोला जा सकता है, लेकिन इसके लिए बच्चे का ठीक से हस्ताक्षर करने में सक्षम होना जरूरी है। यदि बच्चा हस्ताक्षर करने में सक्षम नहीं है तो उसके नाम पर खाता माता-पिता या अभिभावक के साथ खोला जा सकता है। यानी बच्चे की उम्र और उसकी हस्ताक्षर करने की क्षमता के आधार पर खाता संचालन तय होगा।

1 लाख रुपये का लक्ष्य कैसे पूरा होगा ?

अगर आपका लक्ष्य बच्चे के लिए 5 साल में 1 लाख रुपये का फंड तैयार करना है, लेकिन निवेश के अनुसार 2 लाख, 3 लाख, 4 लाख रुपये या उससे अधिक का लक्ष्य भी निर्धारित कर सकता है। लक्ष्य राशि बढ़ने के साथ मासिक किस्त भी बढ़ेगी। मसलन, जिस परिवार को बच्चे की उच्च शिक्षा के लिए 4 लाख रुपये का फंड बनाना है, वह छोटी अवधि के बजाय लंबी अवधि चुनकर मासिक निवेश का बोझ कम रखने की कोशिश कर सकता है।

लक्ष्य बढ़ाएं तो किस्त भी बढ़ेगी
इस योजना में लक्ष्य केवल 1 लाख रुपये तक सीमित नहीं है। निवेशक अपनी जरूरत के अनुसार 2 लाख, 3 लाख, 4 लाख रुपये या उससे अधिक का लक्ष्य भी निर्धारित कर सकता है। लक्ष्य राशि बढ़ने के साथ मासिक किस्त भी बढ़ेगी। मसलन, जिस परिवार को बच्चे की उच्च शिक्षा के लिए 4 लाख रुपये का फंड बनाना है, वह छोटी अवधि के बजाय लंबी अवधि चुनकर मासिक निवेश का बोझ कम रखने की कोशिश कर सकता है।

छोटी बचत से बड़ा लक्ष्य
इस योजना का सबसे बड़ा फायदा अनुशासित बचत है। अक्सर परिवार बचत-बचत रकम बचाने की योजना तो बनाते हैं, लेकिन नियमित रूप से पैसा अलग नहीं रख पाते। आरडी में हर महीने तय रकम जमा करने की व्यवस्था होने के कारण बचत की आदत बन सकती है। मान लीजिए परिवार हर महीने करीब 600 रुपये अलग रखता है। यह रकम योजना के खर्च में बहुत बड़ी नहीं लगती, लेकिन लंबे समय तक लगातार जमा होने पर ब्याज के साथ एक निश्चित फंड तैयार कर सकती है।

सिर्फ ब्याज देखकर फैसला न करें

हालाँकि 6.7% ब्याज आकर्षक लग सकता है, लेकिन निवेश का फैसला केवल ब्याज दर देखकर नहीं करना चाहिए। अभिभावकों को यह भी देखना चाहिए कि बच्चे का लक्ष्य कितने साल बाद है, कितनी रकम की जरूरत होगी और महंगाई के कारण भविष्य में उस लक्ष्य की लागत कितनी बढ़ सकती है। मसलन, आज उच्च शिक्षा पर 5 लाख रुपये खर्च हो रहे हैं तो 8-10 साल बाद यही खर्च काफी अधिक हो सकता है। इसलिए लंबे समय के लक्ष्य के लिए केवल आरडी पर निर्भर रहने के बजाय अन्य निवेश विकल्पों से भी इसकी तुलना करनी चाहिए।

टैक्स और समय से पहले निकाली के नियम भी समझें
आरडी में मिलने वाला ब्याज कर नियमों के दायरे में आ सकता है। इसलिए बड़ी रकम जमा करने से पहले अपनी कर स्थिति के अनुसार जानकारी लेना जरूरी है। इसी तरह अगर बीच में पैसे की जरूरत पड़ती है तो समय से पहले आरडी बंद करने या आंशिक निकाली से जुड़े बैंक के नियम लागू हो सकते हैं। निवेश शुरू करने से पहले एसबीआई की मौजूदा ब्याज दर, आरडी की शर्तें, नाबालिग के खाते के नियम और समय से पहले खाता बंद करने के प्रावधान जरूर जांच लें।

ऐसे समझें योजना

- योजना: एसबीआई ‘हर घर लखपति’
- प्रकार: रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी)
- ब्याज दर: 6.7% सालाना
- अवधि: 3 से 10 साल
- 5 साल में 1 लाख का उदाहरण करीब 1.420 रुपये मासिक
- 10 साल में 1 लाख का उदाहरण करीब 610 रुपये मासिक
- लक्ष्य 1 लाख से अधिक भी
- खाता सिंगल या जॉइंट
- बच्चे के नाम खाता 10 साल से अधिक उम्र में, शर्तों के अनुसार
- कम उम्र/हस्ताक्षर में असमर्थ बच्चा माता-पिता/अभिभावक के साथ
- ब्याज दर और बैंक के नियम समय के साथ बदल सकते हैं



चाइना ओपन : मीरा की वर्ल्ड नंबर 3 रैंकिंग पक्की, फाइनल में पहुंचीं

सेमीफाइनल में बार्टुनकोवा को 6-2, 6-2 से हराया

एजेसी ►► बीजिंग

रूसी टेनिस स्टार मीरा एंड्रीवा ने शनिवार को चाइना ओपन के सेमीफाइनल में चेक गणराज्य की निकोला बार्टुनकोवा के खिलाफ 6-2, 6-2 से जीत दर्ज की। इसी के साथ एंड्रीवा ने पहली बार चाइना ओपन के फाइनल में प्रवेश किया।

एंड्रीवा ने निकोला बार्टुनकोवा के विरुद्ध 1 घंटे 14 मिनट में जीत हासिल करते हुए अपने चौथे डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल और बीजिंग में अपने पहले फाइनल का रास्ता सुनिश्चित किया। इस जीत के बाद सोमवार को होने वाली रैंकिंग अपडेट में वर्ल्ड नंबर 5 एंड्रीवा दो पायदान की छलांग लगाने को तैयार हैं।

निकोला बहुत मुश्किल प्रतिद्वंद्वी : एंड्रीवा

जीत के बाद एंड्रीवा ने कहा, मैं फाइनल में पहुंचकर बहुत खुश और उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि मैंने आज बहुत अच्छा खेला। मैं जिस तरह से खेल रही थी, उससे बहुत खुश हूं। बेशक, निकोला एक बहुत मुश्किल प्रतिद्वंद्वी हैं। यूएस ओपन में हमारा कड़ा मुकाबला हुआ था, लेकिन मैं बहुत खुश हूँ कि आज मैं जीत गई।

एंड्रीवा की सीजन की 50वीं जीत

मीरा एंड्रीवा रविवार को फाइनल खेलने के लिए तैयार हैं। यह सीजन में उनका पांचवां फाइनल होगा। डब्ल्यूटीए टूर पर 2026 में सबसे ज्यादा बार फाइनल में पहुंचने के मामले में वह अब एलेना यरबाकिना, आर्यना सबालेका और जेसिका पेगुला के बराबर पहुंच गई हैं। यह एंड्रीवा की इस सीजन की 50वीं जीत भी थी, जिससे वह 2026 में टूर पर सर्वाधिक मैच जीतने के मामले में पेगुला के बराबर पहुंच गई हैं।



मेद्वेदेव की हार्ड कोर्ट पर 31वीं जीत 1 घंटे 52 मिनट में स्ट्रफ को दी मात

शंघाई। डेनियल मेद्वेदेव ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शंघाई मास्टर्स के दूसरे राउंड के मुकाबले में जान-लेनाई स्ट्रफ को 4-6, 6-4, 6-3 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई। मेद्वेदेव ने 1 घंटे 52 मिनट के मुकाबले में स्ट्रफ को हराया। मेद्वेदेव की अब 2026 में हार्ड कोर्ट पर 31 जीत हो गई हैं, साथ ही इस सरफेस पर उनके दुर्बल, ब्रिस्बेन और हॉंग्को टाइटल भी हैं। वह शंघाई में 2019 के चैंपियन हैं और राउंड ऑफ 32 में उनका मुकाबला टॉमस मार्टिन एचेचेरी या डालिबोर स्विंसना से होगा। मेद्वेदेव अभी पीआईएफ एटीपी लाइव रेस टू टूरिन में आठवें स्थान पर हैं और पिछले साल कट से चूकने के बाद सातवां बार साल के आखिर में होने वाले इस इवेंट के लिए क्वालीफाई करने का लक्ष्य बना रहे हैं।

स्वतंत्र संक्षेप



टी20 में पाकिस्तान ने श्रीलंका को हराया

रावलपिंडी। साहिबजाद फरहान ने कप्तान पद संभालने का जश्न शानदार तरीके से मनाते हुए 52 गेंदों पर 89 रन की पारी खेली, जिससे पाकिस्तान ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में श्रीलंका को 4 विकेट से हराया। पाकिस्तान के सामने 183 रन का लक्ष्य था और उसने 18.5 ओवर में छह विकेट पर 187 रन बनाकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। फरहान ने 10 चौकों और चार छक्कों की मदद से शानदार पारी खेली। उन्हें माज सदाकत का अच्छा सहयोग मिला, जिन्होंने महज 29 गेंदों में 50 रन बनाए। इससे पहले श्रीलंका ने सलामी बल्लेबाज लाहिरू उदारा के 91 रन की मदद से पाकिस्तान के नए तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने 8 विकेट पर 182 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया था।

भारत दौरा: जिम्बाब्वे की कप्तानी करेगी नकोमो



बुलावायो। ऑलराउंडर जोसेफिन नकोमो 16 अक्टूबर से शुरू होने वाले भारत के पहले दौर में जिम्बाब्वे की 15 सदस्यीय महिला टीम की कप्तानी करेंगी। जिम्बाब्वे ने सितंबर-अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलने वाली टीम का ही चयन किया है। भारतीय दौरे के लिए चुनी गई 15 सदस्यीय टीम में न्याशा ग्वंजुरा और मिशेल मावुंगा भी शामिल हैं। भारत और जिम्बाब्वे के बीच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 16, 18 और 20 अक्टूबर को रायपुर में खेले जाएंगे। इसके बाद 23, 25 और 28 अक्टूबर को बड़ौदा में वनडे मैच होंगे। वनडे मैच आईसीसी महिला चैंपियनशिप का हिस्सा होंगे।

लोग होप को कम करके आंकते हैं: चेज



रांची। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर रोस्टन चेज का मानना है कि सीमित ओवरों की क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद उनके कप्तान शाई होप को कम करके आंका जाता है। होप ने वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अपनी पिछली चार पारियों में तीन शतक बनाकर आईपीएल की दिसंबर में होने वाली मिनी नीलामी के लिए अपना दावा मजबूत कर दिया है। चेज ने कहा, 'मुझे लगता है कि लोग शाई होप को बहुत कम करके आंकते हैं।' उन्होंने कहा, 'वह एक ऐसा खिलाड़ी है, जो पूरी तरह से अपना ध्यान अपने काम पर केंद्रित कर सकता है। मुझे लगता है कि जब उसकी खास खूबी है क्योंकि जब सब कुछ गलत होता दिख रहा होता है, तब भी वह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता है और टीम के लिए खेलता है। मुझे लगता है कि यही उसकी पहचान है।'

तीसरा टी20 : होलकर स्टेडियम में भारत-वेस्टइंडीज में कांटे की टक्कर

इंदौर में फिर बरसेगा रनों का तूफान! बल्लेबाजों की आज होगी अग्निपरीक्षा

एजेसी ►► इंदौर

भारत और वेस्टइंडीज के बीच अभी तक बल्लेबाजों का दबदबा देखने को मिला है तथा रविवार को होने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भी यह बरकरार रहने की पूरी उम्मीद है, जिससे कि गेंदबाजों पर काफी दबाव रहेगा। इंदौर का होलकर स्टेडियम छोटी बाउंड्री और सपाट पिच के लिए जाना जाता है। इसलिए अगर यहाँ फिर से रनों का अंधार देखने को मिले तो किसी को हेरानी नहीं होनी चाहिए। निश्चित तौर पर मुकाबला दोनों टीम के बल्लेबाजों के बीच होगा लेकिन सभी विभागों में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम ही जीत हासिल करेगी।

मजबूत क्षेत्ररक्षण वाली टीम का पलड़ा रहेगा भारी

विशेषकर क्षेत्ररक्षण में अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम का पलड़ा भारी रहेगा। दोनों टीम ने अभी तक महत्वपूर्ण अवसरों पर कुछ कैच छोड़े हैं, जो महंगे साबित हुए हैं। पिछले मैच में मयंक यादव ने शेरफेन रदरफोर्ड का आसमान कैच छोड़ दिया था, जो एक तरह से निर्णायक साबित हुआ। रदरफोर्ड ने इसका पूरा फायदा उठाकर कप्तान शाई होप के साथ मिलकर 54 गेंदों में 120 रन की साझेदारी की। भारत को होप की शानदार फॉर्म को लेकर भी सतर्क रहना होगा। वेस्टइंडीज के कप्तान ने इस दौरे पर दो शतक जड़े हैं और वह फिर से बड़ी पारी खेलने के लिए प्रतिबद्ध होंगे।



भारत के लिए गेंदबाजी चिंता का विषय

भारत के लिए गेंदबाजी अब भी चिंता का विषय बना हुआ है और वह इस मैच में इसका हल ढूँढने की कोशिश करेगा। इस मैच में ओस की भी अहम भूमिका रहने की उम्मीद है। मयंक ने पिछले मैच में तीन विकेट लेकर भारत की अच्छी शुरुआत दिलाई थी लेकिन बाकी गेंदबाज रनों पर अंकुश नहीं लगा पाए और वेस्टइंडीज ने शुरुआती झटकों के बावजूद जोरदार वापसी करके रिकार्ड लक्ष्य हासिल कर दिया।

अख्यर का फॉर्म में लौटना सकारात्मक

भारत के लिए इस श्रृंखला का सकारात्मक पहलू कप्तान श्रेयस अख्यर का फॉर्म में लौटना है। उन्होंने पहले मैच में नाबाद 102 रन बनाए और दूसरे मैच में 18 गेंद पर 40 रन की तूफानी पारी खेली। संजू सैमसन ने 41 गेंदों में 82 रन बनाकर अंतिम एकदश में अपनी जगह फिर से पकड़ी कर दी। इसका मतलब है कि युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को फिर से बाहर बैठना पड़ सकता है। भारतीय कोच गौतम गंभीर ने भी रांची में दूसरे मैच के बाद कहा था कि मध्यक्रम में बदलाव किया जा सकता है लेकिन शोष कम में नहीं। मुख्य कोच ने यह भी स्वीकार किया कि शिवम दुबे के अख्यर से पहले चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने के बाद भारत अपने टीम संयोजनों के साथ प्रयोग करना जारी रखेगा।

अर्शदीप से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

भारत अपने मुख्य गेंदबाज अर्शदीप सिंह से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगा, जिन्होंने दो मैचों में 79 रन देकर एक विकेट लिया है। भारत मयंक से भी अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखने की उम्मीद करेगा। होप के शानदार प्रदर्शन और रदरफोर्ड के फॉर्म में वापस आने से वेस्टइंडीज की टीम खुश होगी। वेस्टइंडीज के गेंदबाजों में रोस्टन चेज ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पिछले मैच में 24 रन देकर 4 विकेट लिए। वेस्टइंडीज हालांकि श्रमर सफ़िगर को बदलने पर विचार कर सकता है, जिन्होंने अपने चार ओवरों में 64 रन देकर दो विकेट लिए। मैच का समय: शाम 7 बजे

रणजी ट्रॉफी : आज से 92वें सीजन की शुरुआत, 38 टीमों लेंगी हिस्सा

एजेसी ►► नई दिल्ली

रणजी ट्रॉफी के 92वें सीजन की शुरुआत रविवार से होने जा रही है। भारत के इस सबसे बड़े घरेलू रेड-बॉल टूर्नामेंट में कुल 38 टीमों नजर आएंगीं। पहले राउंड में कुछ बड़े भारतीय इंटरनेशनल खिलाड़ी दिखेंगे, जो बाद में न्यूजीलैंड के रेड-बॉल दौरे के लिए 'इंडिया ए' टीम में शामिल होंगे।

इस बार देखना दिलचस्प होगा कि क्या जम्मू-कश्मीर अपनी खिताबी जीत को दोहरा पाता है या नहीं? ईगनी कप में 'रेस्ट ऑफ इंडिया' से हारने के बाद, पारस डोगरा की कप्तानी वाली टीम श्रीनगर में मध्य प्रदेश के खिलाफ वापसी करने की कोशिश करेगी।



सीजन का पहला राउंड होगा जबरदस्त

2026/27 सीजन का पहला राउंड जबरदस्त होने वाला है। कैप्टन राहुल (कर्नाटक), यशवी जायसवाल (गुजरात), स्वीड जडेजा (गोवा), मोहम्मद सिराज (हैदराबाद), मानव युधर (राजस्थान), वशिष्ठन सुंदर (तमिलनाडु), मुकेश कुमार और आकाश दीप (बंगाल) जैसे खिलाड़ी पहले राउंड में अपनी-अपनी टीमों के लिए खेलते नजर आएंगे।

शमी की मैदान पर वापसी

पिछले सीजन में 37 विकेट हासिल करने वाले अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी मैदान पर वापसी कर रहे हैं, जो बंगाल की टीम का हिस्सा है। वहीं, दिल्ली की टीम के लिए नए सपोर्ट स्ट्रफ के साथ रेड-बॉल क्रिकेट में सफलता की दौड़ फिर से शुरू कर रही है। टीम ने भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज विजय दहिया को हंड कोच और दिवंगत बल्लेबाज विराट कोहली के बचपन के कोच राजकुमार शर्मा को टीम का मेंटर नियुक्त किया है।

न्यूजीलैंड को बड़ा झटका, स्टार गेंदबाज चोट के कारण हुआ बाहर

एजेसी ►► ऑकलैंड

न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ होने वाली आगामी श्रृंखला से पहले एक और कराग झटका लगा है और उसके तेज गेंदबाज विल ओरूके बाएं पांव की मांसपेशियों में खिंचाव और पिंडली की चोट के कारण इससे बाहर हो गए हैं। खेल के सभी प्रारूप में खेलने वाले इस 25 वर्षीय तेज गेंदबाज ने पीठ में चोट के कारण सात महीने तक क्रिकेट से दूर रहने के बाद इस साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी।

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के अंतिम दिन हालांकि उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था और इसके बाद अभ्यास के दौरान उनकी पिंडली में चोट लग गई थी।



22 अक्टूबर को टी20 मैच

न्यूजीलैंड के कोच रॉब वाट्टर ने कहा कि ओरूके को भारत के खिलाफ श्रृंखला से बाहर रखने का फैसला खिलाड़ी और मेडिकल टीम से परामर्श के बाद लिया गया। उनकी निगाहें अब दिग्बल से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले चार टेस्ट मैच की श्रृंखला में वापसी करने पर टिकी हैं। न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच, पांच वनडे मैच और दो टेस्ट मैच खेलने हैं। इस श्रृंखला की शुरुआत 22 अक्टूबर को काइस्टटॉव में टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से होगी।

सऊदी प्रो लीग में दिरियाह पर दागा जीत का गोल

रोनाल्डो की क्लब फुटबॉल में वापसी

एजेसी ►► रियाद

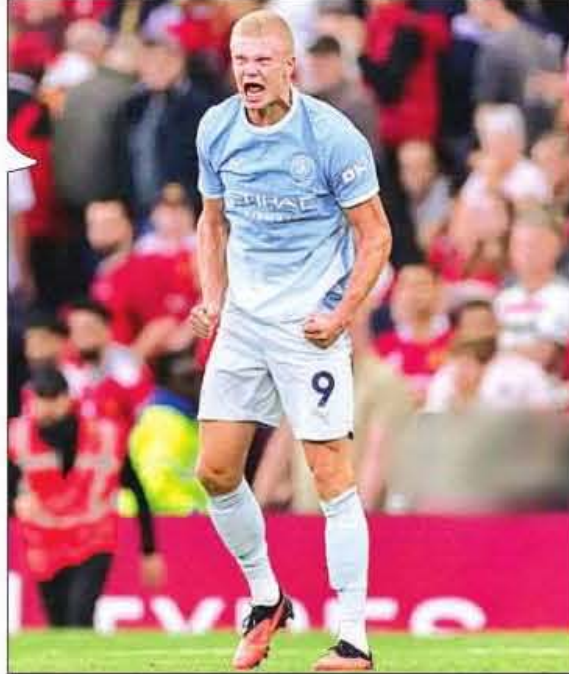
अपनी राष्ट्रीय फुटबॉल टीम पुर्तगाल से विवादास्पद तरीके से बाहर होने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने क्लब फुटबॉल में वापसी की और सऊदी प्रो लीग में अल नासर की दिरियाह पर 3-0 से जीत में पहला गोल किया। इस जीत से मौजूदा चैंपियन अल नासर आठवें दौर के बाद अंकों के आधार पर शीर्ष पर काबिज अल-नर्दसियाह की बराबरी पर आ गया है। अल नासर गोल अंतर के कारण दूसरे स्थान पर है।

रोनाल्डो अंतरराष्ट्रीय अवकाश के दौरान पुर्तगाल की टीम से बाहर हो गए थे, जिसके लिए उन्होंने 234 मैचों में 146 गोल किए हैं। इस 41 वर्षीय खिलाड़ी ने जारी बयान में कहा कि नवनि्युक्त कोच जॉर्ज जीसस ने नेशंस लीग में उन्हें खिलाने के अपने वादे का पालन नहीं किया।



एनफील्ड स्टेडियम में मैच खेलना खास : हालैंड

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर सिटी के स्ट्राइकर एरिंज हालैंड को मरोसा है कि क्लब के फैंस एनफील्ड स्टेडियम में मैच का आनंद लेते। प्रीमियर लीग में सबसे आगे चल रही टीम रविवार को अपने कड़े प्रतिद्वंद्वी लिंकरपूल का सामना करने की तैयारी कर रही है। नॉर्वेजियन खिलाड़ी ने अपने साथियों से इस बड़े मुकाबले से पहले सकारात्मक और फोकस रहने का आग्रह किया है। हालैंड ने कहा, मुझे पूरा यकीन है कि जब हम एनफील्ड जाएंगे तो मैनचेस्टर सिटी के फैंस अचानक समय खिताफों। उन्होंने कहा, एनफील्ड में मैच खेलना हमेशा खास होता है। मैंने वहां जीत हासिल की है, ड्रां खेला है और हार भी झेली है। इसलिए यह हमेशा खास होता है। हर प्रीमियर लीग मैच अनजान होता है, और लिंकरपूल के खिलाफ हर मैच हमेशा खास होता है।' नॉर्वे के इस खिलाड़ी ने सिटी और यूनाइटेड किंगडम के साथ अपने माकामात्मक जुड़ाव के बारे में भी बात की।



राहुल पर भड़के नितिन नवीन- वे अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल कर रहे

एजेसी ॥ नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने दिल्ली के प्रदर्शन पर कहा कि राहुल गांधी जो कर रहे हैं, भारत का युवा और सभी नागरिक उन्हें देख रहे हैं। वे देश के संवैधानिक ढांचे को तार-तार कर रहे हैं और देश के उच्च पदस्थ लोगों के खिलाफ अनर्गल शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। देश की जनता सब कुछ देख रही और जवाब भी देगी। देश को अस्थिर करने की कोशिश की जो आंतरिक व बाह्य कोशिशों की जा रही है, वे कभी कामयाब नहीं होंगी। हम देश के विकास और विश्वास के प्रति प्रतिबद्ध हैं। विकसित भारत के सपने को आगे बढ़ाएंगे और देश की सुरक्षा भी करेंगे। प्रधानमंत्री कई बार इसका प्रमाण भी दे चुके हैं। आप समर्थित सीजेपी देश में अशांति फैलाने की कोशिश कर रही है।

हमारी सरकार विकसित भारत के सपने को पूरा करेगी और ‘आप’ समर्थित सीजेपी अशांति फैलाने की कोशिश कर रही

हम देश के प्रति प्रतिबद्ध हैं। विकसित भारत के सपने को आगे बढ़ाएंगे और देशविरोधी ताकतों से सख्ती से निपटेंगे। आप समर्थित सीजेपी देश में अशांति फैलाने पर उतावर

आंतरिक मामलों में विदेशी ताकतों को शामिल कर रही कांग्रेस



राहुल देश के संवैधानिक ढांचे को चुनौती दे रहे

विकसित भारत बनाएंगे

नवीन ने एलन मस्क के भारत में स्टारलैंक को लाइसेंस मिलने में देरी को लेकर दिए गए बयान पर राहुल के समर्थन को लेकर निशाना साधा है। मस्क ने उद्योगपति मुकेश अंबानी का जिक्र करते हुए भारत में एकाधिकार को लेकर सवाल उठाए थे। राहुल ने कहा था कि भारत में आपका स्वागत है एलन, दूसरे व्यक्ति के बारे में जानेंगे तो और हैरानी होगी। राहुल के इस रुख पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि कांग्रेस नेता देश के आंतरिक मामलों में विदेशी ताकतों को शामिल कर रहे हैं।

रविशंकर ने बोला विपक्ष पर हमला

राहुल इमरजेंसी की बात न कहें, आपकी दादी की बात जगजाहिर हो चुकी



अराजकता फैलाने की कोशिश हो रही

उन्होंने कहा कि दो बातें साफ हो गई हैं। पहली, भारतीय लोकतंत्र ने अराजकता फैलाने की कोशिशों को नाकाम कर दिया है। दूसरी, देश संसद से चलेगा, सड़कों से नहीं। कल के नतीजे देख लीजिए।

भाजपा ने विपक्ष पर हमला बोला है। भाजपा प्रवक्ता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि क्या घुसपैठियों को वोट बनाना चाहिए? हम प्रदर्शन के नहीं, बल्कि अराजकता के खिलाफ हैं। रविशंकर ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे इमरजेंसी की बात न करें, क्योंकि उनकी दादी के बारे में पूरी दुनिया जानती है।

जो भारत के नहीं उन्हीं का नाम कट रहा: मांझी

केंद्रीय मंत्री जीवन राम मांझी जंतर-मंतर के प्रदर्शन को लेकर कांक्रोच जनता पार्टी पर हमला किया है। मांझी ने कहा कि सीजेपी के लोग अभी नए-ए आए हैं, वे फ्रीड्ड तलाश रहे हैं। मांझी ने कहा कि जहां तक चुनाव आयोग का सवाल है तो वह अपना काम कर रहा है। निर्णय सीईसी का होता है। जो भारत के नागरिक नहीं हैं उसी का नाम कट रहा है।



विपक्ष ने कहा

यह जनता का विरोध, आवाज दबा नहीं सकते: राउत

शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने कहा कि यह जनता का विरोध है और वे जनता की आवाज को दबा नहीं सकते। इस देश में क्या हो रहा है? अगर कोई विरोध करने के लिए देश की राजधानी पहुंचना चाहता है, तो क्या यहाँ ब्रिटिश शासन लागू है? क्या रॉलेट एक्ट लागू कर दिया गया है?



हम देश की युवा ऊर्जा के साथ: अखिलेश

सपा प्रमुख और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री, अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा, किसी के रोके नहीं रुकेगा, अब दिल्ली में देश जुटेगा! हम देश की युवा ऊर्जा के साथ हैं। भाजपा सरकार अगर समझ रही है कि वो ताकत के बल पर जनता को रोक लेगी तो ये उसकी और भी बड़ी भूल साबित होगी। अगर सरकार ने आंदोलनकारियों को रोक तो देश में हर जगह जंतर-मंतर बन जाएगा।



दिल्ली में जैसे युद्ध के हालात हों: थरूर

सीजेपी प्रोटेस्ट के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक्स पर लिखा कि पुलिसकर्मियों और अर्धसैनिक बलों की तैनाती ऐसे की गई है, जैसे युद्ध के हालात हों। उन्होंने कहा कि मैं रात 2 बजे के बाद राष्ट्रीय राजधानी लौटा और मैंने दिल्ली में जो हालात देखे हैं, वैसे हालात पहले कभी नहीं देखे।



लोगों को अधिकार मांगने से रोक नहीं सकते: खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रदर्शन और पुलिस कार्रवाई पर कहा है कि सरकार और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार 'डरे हुए' हैं। जो लोग डरते हैं वो आज नहीं तो कल मरते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस की कार्रवाया सामने आ गई है। हिरासत, जेल, लाठीचार्ज और पैलेट गन भी लोगों को अधिकार मांगने से नहीं रोक सकते।



भारत में लोकतंत्र नहीं बचा: प्रियंका

पुलिस द्वारा रोके जाने पर प्रिंका गांधी संविधान की प्रति हाथ में लेकर सड़क पर बैठ गई और विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने बाद में उन्हें हिरासत में लेकर छत्रसाल स्टैंडियम पुलिस स्टेशन पहुंचाया। प्रियंका ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, भारत में अब लोकतंत्र नहीं बचा है। उन्होंने विपक्षी सांसदों के साथ बदसलूकी और बल प्रयोग करने का आरोप लगाया।

24 घंटे में सीजेपी नेताओं की रिहाई नहीं हुई तो करुणा अनशन: वांगचुक

सीजेपी के प्रदर्शन से जुड़े नेताओं की गिरफ्तारी को लेकर लद्दाख के जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने केंद्र और प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने भारत को अप्रतिपक्ष आपातकाल की स्थिति में बताते हुए कहा कि अगर हिरासत में लिए गए नेताओं को कल तक रिहा नहीं किया गया, तो वह अनशन या परदात्रा शुरू करने पर विचार करने के लिए मजबूर होंगे।



आयोग के सनरचन में 124 पूर्व अधिकारी

जीतते हैं तो व्यवस्था ईमानदार हारने पर वहां धांधली कैसी?

सीईसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के बीच देश के 124 पूर्व अधिकारियों ने एसआईआर का पुरजोर समर्थन किया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा और संबद्ध सेवाओं के 124 पूर्व अधिकारियों ने देश के नागरिकों के नाम खुला पत्र जारी कर ये बात कही है। अधिकारियों ने खुले पत्र में चुनाव आयोग और एसआईआर का समर्थन करते हुए कहा है कि विश्वसनीय सुबूतों के बिना चुनाव में धांधली के आरोप लगाए जाने पर सवाल उठाए हैं। अधिकारियों ने कहा कि भारत की चुनावी व्यवस्था बूथ कैप्चरिंग, मतपेटियों में फर्जी वोट डालने और चुनावी हिंसा के दौर से काफी आगे बढ़ चुकी है। जब आप चुनाव जीतते हैं तो व्यवस्था ईमानदार और हारने पर धांधली वाली हो सकती है।



खबर संक्षेप

गुजरात पुलिस में पूर्व अग्निवीरों की सीधी एंट्री

अहमदाबाद। राज्य सरकार ने गुजरात में पुलिस विभाग में भर्ती के लिए पूर्व अग्निवीरों को बड़ी राहत दी है। गृह विभाग द्वारा जारी संशोधित नियमों के अनुसार अब पुलिस विभाग के निर्दिष्ट वर्गीधारी पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया में पूर्व अग्निवीरों को लिखित परीक्षा से भी छूट मिलेगी। इस तरह सरकार ने अब फिजिकल और लिखित परीक्षाओं में छूट दी है।



मिड-डे मील में मिली छिपकली, 15 बच्चे बीमार

भागलपुर। बिहार के भागलपुर जिले के सुल्तानगंज में एक सरकारी स्कूल में मिड-डे मील के खाने में छिपकली मिलने का मामला सामने आया है। घटना कटहरा पंचायत के प्राथमिक विद्यालय आजाद नगर पनसल्ला की है। खाना खाने के बाद करीब 15 बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। सभी बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया है।



मन्नार की खाड़ी में बना डिप्रेशन, 21 राज्यों में अलर्ट

नई दिल्ली। मानसून की विदाई के बाद भी देश के कई हिस्सों में मौसम का मिजाज बिगड़ सकता है। रविवार को दिल्ली से लेकर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और मध्य प्रदेश तक बारिश और तेज हवाओं की संभावना जलाई है। मौसम विभाग के मुताबिक कई राज्यों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। विभाग ने कुछ इलाकों में आंधी का भी अनुमान जताया है।



ओला स्कूटर ठीक करे या ब्याज सहित पैसा लौटाए

मोहाली। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने लंबी सर्विस लापरवाही के मामले में ओला इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड और उसके फेस-2 सर्विस सेंटर के खिलाफ सख्त फैसला दिया है। आयोग ने कंपनी को निर्देश दिया वह खराब इलेक्ट्रिक स्कूटर को 30 दिन में ठीक करे या ब्याज सहित पूरी रकम लौटाए।



पीएम ने महिला और बाल विकास पर राष्ट्रीय विभागीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता की महिलाओं और बच्चों की देखभाल, सुरक्षा और सशक्तिकरण पर दिया जोर, ‘चिंतन शिविर’ लगाकर समग्र विकास पर ध्यान दें



एजेसी ॥ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के सुषमा स्वराज भवन में महिला और बाल विकास पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय विभागीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता की। विभागीय शिखर सम्मेलनों की श्रृंखला का हिस्सा रहे इस सम्मेलन में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी सम्मिलित हुए। इसमें पोषण और बचपन की देखभाल, बच्चों की सुरक्षा, महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण तथा बेहतर तालमेल के माध्यम से सेवाओं की पहुंच को मजबूत करने जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई।

प्रधानमंत्री ने गहन चर्चा की सराहना की और केंद्र तथा राज्यों के बीच मिलकर फैसले लेने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि राज्य जिला स्तर और नगर पालिका व महानगर पालिका स्तर पर इसी तरह के ‘चिंतन शिविर’ आयोजित करके इस मॉडल को आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए भी विशेष ‘चिंतन शिविर’ आयोजित करने का सुझाव दिया, ताकि वे अनुभव, विचार और व्यावहारिक समाधान एक-दूसरे के साथ साझा कर सकें।

खास बातें

- विवि आंगनवाड़ी केंद्रों को गोद ले सकते हैं और अध्ययन कर सकते हैं
- महिला सुरक्षा पर विभागों को ऐतिहासिक उपायों पर बल दिया



बच्चों को हर हाल में प्रोत्साहित करें

मेट्रो कॉरिडोर, हाईवे में सुधार और पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर की 13 हजार करोड़ की परियोजना की दंगे सौगात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को चेन्नई के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान पीएम 13,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की विकास परियोजना लॉन्च करेंगे। इसमें नया मेट्रो कॉरिडोर, हाईवे में सुधार और पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे अहम काम शामिल हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शनिवार को बताया कि पीएम मोदी पूरी हो चुकी सुविधाओं का उद्घाटन करेंगे, परियोजनाओं को देश को समर्पित करेंगे और नए कामों की आधारशिला रखेंगे। इसमें मेट्रो रेल, हाईवे, रेलवे, पोर्ट, पेट्रोलियम और शिक्षा से जुड़े काम शामिल हैं।



पीएम मोदी का तमिलनाडु दौरा आज

कोल बर्थ-ती का उद्घाटन करेंगे और ड्रेजिंग का काम शुरू करेंगे

कामराजार पोर्ट पर, पीएम मोदी कोल बर्थ-ती का उद्घाटन करेंगे और ड्रेजिंग का काम शुरू करेंगे। वह मंगलूरी रिफाइनरी में सीपीसीएल के 1,620 करोड़ रुपये के लुब्रिकेंट बेस स्टॉक परियोजना की आधारशिला रखेंगे, जिसकी सालाना क्षमता 270,000 टन होगी।

पोष्टर बाइपास से पूनानल्लू बाइपास तक और वापस मेट्रो की सवारी करेंगे

प्रमुख परियोजना में चेन्नई मेट्रो के फेज दो का 4,900 करोड़ का पूनानल्लू-वडापलानी रूट शामिल है। 3.7 किमी लंबे डबल-डेकर स्ट्रक्चर और ड्राइवरलेस ऑपरेशन के लिए डिजाइन किए गए सिग्नलिंग सिस्टम वाले इस कॉरिडोर से पश्चिमी उपनगरों और शहर के केंद्र के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होने की उम्मीद है। पीएम मोदी सुबह 11.30 बजे पोशर बाइपास से पूनानल्लू बाइपास तक और वापस मेट्रो की सवारी करेंगे। वे जलकंडेशर मंदिर जाएंगे और आईआईटी मद्रास में ब्रेन सेंटर का दौरा करेंगे।

वाइल्डलाइफ गार्ड, आईआरबी कांस्टेबल, एसडीआरएफ कांस्टेबल और फायर ऑपरेटर-कम-ड्राइवर पदों के लिए भी छूट मिलेगी

ग्रुप-सी भर्ती के लिए पूर्व-अग्निवीरों को मिलेगी सभी परीक्षाओं से छूट, हरियाणा की कैबिनेट ने मंजूरी दी

एजेसी ॥ नई दिल्ली

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में शनिवार को हुई हरियाणा कैबिनेट की बैठक में, सरकारी विभागों में सेवा के लिए पूर्व-अग्निवीरों के प्रशिक्षण, अनुशासन और कौशल को मान्यता देते हुए उनके पुनर्वास और लाभपरक रोजगार को सुगम बनाने के लिए राज्य की अग्निवीर नीति में संशोधनों को मंजूरी दी गई। स्वीकृत संशोधनों के तहत, पूर्व-अग्निवीरों को इस नीति के अंतर्गत आने वाले ग्रुप-सी पदों पर



सीधी भर्ती के लिए निर्धारित सभी प्रकार की परीक्षाओं से छूट दी जाएगी। निर्धारित आरक्षण और अन्य भर्ती प्रावधानों के अधीन, विज्ञापित पदों के

विरुद्ध सीधी नियुक्ति के लिए उनके नाम पर विचार किया जाएगा। कैबिनेट ने पर्यावरण, वन और वन्यजीव विभाग में वाइल्डलाइफ गार्ड, इंडियन रिजर्व बटालियन (आईआरबी) में कांस्टेबल, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) में कांस्टेबल तथा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग में फायर ऑपरेटर-कम-ड्राइवर के पदों के लिए आवेदन करने वाले पूर्व-अग्निवीरों को शारीरिक जांच परीक्षा (पीएसटी) और शारीरिक माप परीक्षा (पीएमटी) से भी (यथा लागू) छूट की मंजूरी दी। इन

पदों को हाल ही में राज्य की पूर्व-अग्निवीर आरक्षण नीति के तहत शामिल किया गया था। ये संशोधन हरियाणा के मूल निवासी पूर्व-अग्निवीरों को निर्दिष्ट सरकारी पदों पर क्षैतिज (हॉरिजॉन्टल) आरक्षण प्रदान करने की हरियाणा सरकार की मौजूदा नीति के अनुरूप किए गए हैं। परीक्षाओं से छूट की यह व्यवस्था नीति के अंतर्गत आने वाले ग्रुप-सी पदों पर सीधी भर्ती पर लागू होगी। हालांकि, नियुक्ति के बाद संबंधित विभागीय सेवा नियमों के अन्य सभी नियम, शर्तें और प्रावधान लागू होंगे।

हरियाणा सरकार ने मीडिया कर्मियों के लिए आर्थिक सहायता दुगुनी की ढाई लाख से बढ़ाकर 5 लाख रु. करने को दी मंजूरी

एजेसी ॥ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में शनिवार को चंडीगढ़ में हुई हरियाणा कैबिनेट की बैठक में ‘हरियाणा मीडिया पर्सनल वेलफेयर फंड एडमिनिस्ट्रेशन स्कीम’ में संशोधन को मंजूरी दी गई।

इसके तहत पात्र मीडिया कर्मियों के लिए आर्थिक सहायता की अधिकतम सीमा को हर मामले में 2.50 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया गया है। खास बात यह है कि कैबिनेट ने यह फैसला मुख्यमंत्री द्वारा 2 मार्च, 2026 को हरियाणा विधानसभा में वर्ष 2026-27 के बजट

भाषण के दौरान की गई घोषणा के अनुरूप लिया गया है। बजट भाषण के दौरान, मुख्यमंत्री ने आपात स्थिति में मीडिया कर्मियों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता की अधिकतम सीमा को 2.50 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये करने की घोषणा की थी। हरियाणा सरकार के इस फैसले से बोमारी, मरू, दुर्घटना या अन्य आपातकालीन स्थितियों के कारण गंभीर जरूरत पड़ने पर पात्र मीडिया कर्मियों और उनके आश्रितों या कानूनी उत्तराधिकारियों को बड़ी हुई आर्थिक सहायता मिलेगी। हालांकि, ‘हरियाणा मीडिया पर्सनल वेलफेयर फंड एडमिनिस्ट्रेशन स्कीम’ के अन्य पात्रता मानदंड और नियम-शर्तें पहले जैसे ही रहेंगे।